卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यःशोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 242 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर (उधमसिंहनगर) ♦सोमवार ♦ 8 जून 2026 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

जनजातीय गौरव के संरक्षण को सरकार प्रतिबद्ध: धामी

नागथात में जौनसार बावर लोक सांस्कृतिक महोत्सव एवं क्रीड़ा समारोह में उमड़ा जनसैलाब

देहरादून (उद संवाददाता)। नागथात में आयोजित जौनसार बावर लोक सांस्कृतिक महोत्सव एवं क्रीड़ा समारोह 2026 जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं और खेल प्रतिभाओं के भव्य संगम का साक्षी बना। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर बड़ी संख्या में लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। पारंपरिक वाद्य यंत्रों, लोक नृत्यों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच मुख्यमंत्री ने क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज के उत्थान, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और जौनसार बावर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जौनसार बावर केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां की लोक संस्कृति, परंपराएं, लोक कला, रीति-रिवाज और सामाजिक जीवन पूरे प्रदेश को गौरवान्वित करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास और विरासत को साथ लेकर चलने की नीति पर कार्य कर रही है, ताकि आधुनिक सुविधाओं के साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान भी सुरक्षित रह सके। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में जनजातीय समाज के विकास के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। उत्तराखंड सरकार भी जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, (शेष पृष्ठ सात पर)

बेकाबू डंपर बैंक में घुसा, चालक गंभीर

काशीपुर (उद संवाददाता)। शहर में देर रात एक तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर बिजली के खंभों और ट्रांसफार्मर को तोड़ता हुआ बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में जा घुसा। हादसे में डंपर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद वाहन से बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया। दुर्घटना के चलते क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति भी बाधित हो गई, जिससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार रविवार देर रात करीब तीन बजे डंपर संख्या यूपी 22 सीटी 5179 अलीगंज रोड पर तेज गति से जा रहा था। इसी (शेष पृष्ठ सात पर)

श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी, पांच महिलाएं घायल

रामनगर (उद संवाददाता)। प्रसिद्ध गर्जिया देवी मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर ट्रॉली सोमवार सुबह दुर्घटनाग्रस्त हो गई। ट्रैक्टर ट्रॉली के अनियंत्रित होकर पलट जाने से उसमें सवार पांच महिला श्रद्धालु घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई और श्रद्धालुओं में चीख पुकार शुरू हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल रामनगर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद के ठाकुरद्वारा क्षेत्र से दो दर्जन से अधिक श्रद्धालु ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार होकर गर्जिया देवी मंदिर के दर्शन के लिए रामनगर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि मंदिर पहुंचने से कुछ दूरी पहले ही ट्रैक्टर ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के समय ट्रॉली में बड़ी संख्या में श्रद्धालु सवार थे, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया और ट्रॉली में फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इसके बाद घायलों (शेष पृष्ठ सात पर)

पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़, दो बदमाशों को लगी गोली

ऋषिकेश (उद संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत ऋषिकेश पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। देर रात पुलिस और दो वांछित बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में दोनों आरोपी घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी हाल ही में ऋषिकेश क्षेत्र में हुई फायरिंग की घटना में वांछित बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस टीम की नजर एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों पर पड़ी, जिन्होंने अपने चेहरे कपड़े से ढके हुए थे। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन दोनों युवक बैरियर को टक्कर मारते हुए मौके से फरार हो गए और श्यामपुर की ओर भागने लगे। संदिग्धों के भागने पर पुलिस टीम ने उनका पीछा शुरू कर दिया। पुलिस के मुताबिक खुद को घिरता देख दोनों आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के दौरान दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी, जिससे वे घायल होकर गिर पड़े और पुलिस ने उन्हें मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, जिंदा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी हाल ही में ऋषिकेश में हुई फायरिंग की घटना में शामिल थे, (शेष पृष्ठ सात पर)

लाखों की स्मैक के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

नानकमत्ता (उद संवाददाता)। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नानकमत्ता पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को करीब 46 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से स्मैक के अलावा इलेक्ट्रॉनिक तराजू, नशे की पुड़ियां तैयार करने का सामान तथा एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस अब आरोपी से जुड़े अन्य लोगों और पूरे तस्करी नेटवर्क की जांच में जुट गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 7 जून को उपनिरीक्षक राजेन्द्र पंत पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। अभियान के तहत अपराध नियंत्रण, शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के उद्देश्य से संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम कामन नदी के किनारे लंकापुरी जंगल की ओर जाने वाले कच्चे मार्ग पर पहुंची। बताया गया कि इसी दौरान सामने से आ रहा एक बाइक सवार युवक पुलिस को देखकर अचानक घबरा गया और वापस मुड़कर भागने का प्रयास करने लगा। कच्चे मार्ग पर रेतली मिट्टी होने के कारण उसकी मोटर (शेष पृष्ठ सात पर)

व्यापारियों ने राज्य कर विभाग कार्यालय घेरा

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। उद्योग व्यापार मंडल महानगर इकाई ने खटीमा राज्य कर इकाई सचल दल द्वारा व्यापारियों के कथित उत्पीड़न के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए आयुक्त, राज्य कर विभाग का घेराव करते हुए सयुंक्त आयुक्त स्मिता के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया। व्यापार मंडल ने रोष जताते हुए आरोप लगाया कि सचल दल द्वारा आए दिन व्यापारियों के वाहनों को घंटो रोककर अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है, जबकि उनके पास सभी आवश्यक दस्तावेज, बिल, ई-वे बिल एवं अन्य अभिलेख पूर्ण रूप से उपलब्ध होते हैं। अध्यक्ष संजय जुनेजा ने रोष प्रकट कर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि व्यापारियों से लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं कि दस्तावेज पूर्ण होने के बावजूद उन्हें घंटों रोककर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। कई व्यापारियों ने यह भी आरोप लगाया है कि अधिकारियों द्वारा विभागीय लक्ष्य का हवाला देकर पेनल्टी लगाने का दबाव बनाया जाता है, जिससे व्यापारिक समुदाय में विभाग के प्रति भारी रोष व्याप्त है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कई बार दूरभाष के माध्यम से भी अधिकारियों से वार्ता कर समस्या के समाधान का प्रयास किया गया, लेकिन कोई सकारात्मक(शेष पृष्ठ सात पर)

संदिग्ध हालातों में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

काशीपुर (उद संवाददाता)। संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव घर में फांसी के फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार टांडा उज्जैन निवासी 26 वर्षीय जितेन्द्र कश्यप का शव उसके घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला। बताया जा रहा है कि जब (शेष पृष्ठ सात पर)

मिलेनियल्स और जेन-जी की लीडरशिप भाजपा के लिए बन सकती है मुफीद

युवाओं के बीच बढ़ती पैठ, भाजपा की रणनीति को मजबूती दे सकता है युवा मेयर विकास शर्मा का प्रयोग

रुद्रपुर। राजनीति में आने वाले वर्षों की दिशा अक्सर वर्तमान के छोटे-छोटे प्रयोग तय करते हैं। रुद्रपुर के युवा महापौर विकास शर्मा द्वारा आयोजित 'नई सोच, नया रुद्रपुर 'युवा संवाद 2026' भी ऐसा ही एक प्रयोग माना जा रहा है, जिसका प्रभाव केवल नगर निगम की सीमाओं तक नहीं बल्कि आगामी विधानसभा चुनावों की राजनीति तक दिखाई दे सकता है। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पिछले कुछ वर्षों में खुद को युवा नेतृत्व के रूप में स्थापित किया है। रोजगार, स्टार्टअप, खेल, नवाचार और युवाओं के साथ सीध`संवाद के माध्यम से उन्होंने नई पीढ़ी के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। अब इसी कड़ी में रुद्रपुर से एक और युवा चेहरा तेजी से उभरता दिखाई दे रहा है। कम उम्र में महापौर बने विकास शर्मा न केवल प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभा रहे हैं बल्कि युवाओं के साथ सीधे संवाद स्थापित कर राजनीतिक रूप से भी अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। युवा संवाद कार्यक्रम में जिस तरह मिलेनियल्स और जेन-जी पीढ़ी को खुलकर अपने विचार रखने का अवसर दिया गया, उसने एक बड़ा संदेश छोड़ा। सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में पली -बढ़ी यह पीढ़ी पारंपरिक राजनीतिक भाषणों से अधिक सहभागिता और संवाद को महत्व देती है। ऐसे में युवाओं को मंच देना और उनकी बात सुनना केवल सामाजिक पहल नहीं बल्कि राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा(शेष पृष्ठ सात पर)

मिलेनियल्स और जेन-जी: देश की दिशा तय करने वाली दो पीढ़ियां

रुद्रपुर। आज राजनीति, समाज और अर्थव्यवस्था में सबसे अधिक चर्चा दो पीढ़ियों-मिलेनियल्स और जेन-जी-की हो रही है। मिलेनियल्स उन लोगों को कहा जाता है जिनका जन्म 1981 से 1996 के बीच हुआ है। यह पीढ़ी ऐसी रही है जिसने बिना इंटरनेट का बचपन भी देखा और डिजिटल क्रांति का दौर भी जिया। वर्तमान में इनकी आयु लगभग 30 से 45 वर्ष के बीच है। करियर, स्थिरता और बेहतर जीवनशैली को महत्व देने (शेष पृष्ठ सात पर)

पछुवा दून में सरकारी जमीनों पर कब्जे कर बने मस्जिद, मदरसे और ईदगाह

प्रशासनिक जांच पड़ताल में हुआ खुलासा : कांग्रेस शासन काल में जमकर हुआ सरकारी जमीन कब्जाने का खेल

देहरादून। थानों की मस्जिद सील किए जाने के विरोध में मुस्लिम सेवा संगठन ने सोशल मीडिया पर मुस्लिम लोगों को उकसा कर देहरादून प्रशासन के समक्ष खूब शोर शराबा किया और दावा किया कि ये मस्जिद बिल्कुल सही भू दस्तावेजों पर बनी हुई है, हालांकि ये विषय जांच पड़ताल के लिए सील तभी किया गया जब एमडीडीए को ये लगा कि इसके निर्माण में और भू दस्तावेजों में कई खामियां रही। अब प्रशासनिक जांच के एक और खुलासा हुआ है कि देहरादून जिले में एक दो नहीं दर्जनों मस्जिदें मदरसे ऐसे है जोकि सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे करके बनाई गई है। इस मामले की जिला प्रशासन ने अपने स्तर पर और पुलिस की खुफिया टीम के द्वारा भी जांच पड़ताल रिपोर्ट मंगवा ली है। यानि दोनों रिपोर्ट्स की क्रॉस चेक रिपोर्ट भी सही पाई गई है। जानकारी के मुताबिक पछुवा दून विकास नगर परगना क्षेत्र में आइशा मस्जिद ग्राम कुल्हाल 6 बिस्वा ग्राम समाज की भूमि पर, कूबा मस्जिद धौला तप्पड़ 5 बिस्वा वन भूमि, जामा मस्जिद ग्राम मटक माजरी 1 बीघा सिंचाई विभाग की भूमि पर, श्रहीमी मस्जिद ,6 बिस्वा सिंचाई विभाग की भूमि पर, ईद गाह मस्जिद ग्राम कुंजा 5 बिस्वा सिंचाई विभाग के नाले पर, मोमिनी मस्जिद ग्राम ढकरानी 04 बिस्वा बज्जू खाना सिंचाई विभाग की भूमि पर, मस्जिद मदरसा अस्लामिया अरबिया मसीहूल उलूम ग्राम ढकरानी 12 बिस्वा ग्राम सिंचाई विभाग की भूमि पर अवैध का कब्जे करके बनाई गई। ऐसे ही मस्जिद फातिमा बरोटीवाला ,ग्राम बरोटीवाला, 03 बिस्वा सरकारी ग्राम समाज की भूमि पर अवैध रूप से बनाई गई। बड़ी ईदगाह ढकरानी, ईदगाह बाबूगढ़, ईदगाह लाइन जीवन गढ़,ईद गाह हरबर्टपुर,ईदगाह कुंजा, ईदगाह डाक्टरगंज नवाबगढ़ भी सरकारी भूमि पर कब्जे करके बनाए गए, इसके लिए न तो सरकार से कोई लीज अनुमति, निर्माण अनुमति ली गई। खास बात ये है कि ये सभी अवैध निर्माण या तो नारायण दत्त तिवारी या फिर हरीश रावत के कांग्रेस शासन काल में हुए है। विकास नगर परगना में 84 मस्जिदें मदरसे ईदगाह आदि इस्लामिक संरचनाएं प्रकाश में आई है ,खास बात ये कि उत्तराखंड राज्य बनने से पहले इनकी संख्या केवल 14 थी। यानि इस क्षेत्र का तेजी से इस्लामीकरण हुआ और यहां के 29 ग्राम जोकि कभी हिंदू बाहुल्य थे वो अब मुस्लिम बाहुल्य हो गए है। स्मरण करने का विषय ये भी है कि इस क्षेत्र में धामी सरकार द्वारा सरकारी भूमि से तकरीबन 85 अवैध मजारे भी हटाई गई है।हिमांचल बॉर्डर और यूपी से लगा हुआ ये क्षेत्र डेमोग्राफी चेंज के असंतुलन की गाथा भी सुनाता रहा है।

ईश्वर नाम स्मरण से होती हैं समस्त बाधाएं दूर : चैतन्पुरी

गढीनेगी (उद संवाददाता)। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी श्री हरि चैतन्य पुरी जी महाराज ने यहां श्री हरि कृपा धाम आश्रम में उपस्थित भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी क्षेत्र में आप आगे बढ़ो तो कठिनाइयां, बाधएं, परीक्षाएं आना स्वाभाविक है। प्रभु स्मरण करते हुए प्रभु नाम लेते हुए चलें तो, वो आपके सामने टिक नहीं पाएंगी। जो व्यक्ति विपत्तियों, बाधाओं व परेशानियों से लड़ने की क्षमता रखता हो वही जीवन के विकास का सच्चा आनंद प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति पुरुषार्थ करें तो ईश्वर भी उसकी सहायता करता है। सबसे महान व्यक्ति वह है जो दृढ़तम निश्चय के साथ सत्य का अनुसरण करता है ।अपने धारा प्रवाह प्रवचनों से उन्होंने सभी को मंत्रमुग्ध व भाव विभोर कर दिया । सारा वातावरण " श्री गुरु महाराज",कामां के कन्हैया व लाठी वाले भैय्या की जय जयकार से गूंज उठा। श्री हरि कृपा धाम आश्रम गढीनेगी में श्री हरि प्राकट्योत्सव एंव विराट धर्म का आयोजन हो रहा है। 3 से 11 जून दिव्य प्रवचन सांय 3-6 बजे तक। 11 जून विशाल कलश यात्रा एंव तिरंगा यात्रा प्रातः 7 बजे से श्री हरेश्वर महादेव मंदिर, श्री हरि कृपा धाम आश्रम से वीर अमर शहीदों व जाबांज सैनिकों के सम्मान में निकाली जाएगी उसके बाद रामायण पाठ का शुभारंभ होगा जिसका समापन 12 जून को प्रातः 8 बजे किया जाएगा। 12 जून को 67 वें श्री हरि प्राकट्योत्सव के उपलक्ष्य में प्रात:8 बजे से दोपहर 1 बजे तक विशाल व भव्य शौर्य सम्मान समारोह वीर अमर शहीदों व जाबांज सैनिकों को समर्पित करते हुए आयोजित होगा । जिसमें क्षेत्र के अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों , शहीद परिवारों व जाबांज सैनिकों व समाज के रीयल हीरोज का सम्मान होगा । देश के प्रसिद्ध भजन गायकों के भजन, बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम व विश्व प्रसिद्ध ब्रज का मयूर नृत्य, फूलों की होली, डांडिया नृत्य व श्री महाराज जी के दिव्य प्रवचन होंगे । कार्यक्रम में अनेक प्रमुख संत, देश व प्रदेश के अनेक प्रमुख राजनेता व प्रदेश व देशभर के अनेक प्रांतों के लाखों श्रद्धालु सम्मिलित होंगे।

मालवीय नगर अग्निकांड मामले में सांसद अजय भट्ट ने की दिल्ली मुख्यमंत्री और पुलिस कमिश्नर से वार्ता

रुद्रपुर (संवाददाता)। दिल्ली के मालवीय नगर अग्निकांड प्रकरण में उत्तराखंड निवासी केशव नेगी की गिरफ्तारी को लेकर नैनीताल ऊधमसिंह नगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री अजय भट्ट ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली पुलिस आयुक्त से दूरभाष पर वार्ता कर मामले की निष्पक्ष एवं तथ्यपरक जांच सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। सांसद अजय भट्ट ने कहा कि मामला गंभीर प्रकृति का है और ऐसे मामलों में जांच पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता तथा तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए। उन्होंने दिल्ली सरकार और पुलिस प्रशासन से अनुरोध किया कि जांच प्रक्रिया के दौरान सभी तथ्यों और साक्ष्यों का गहन परीक्षण किया जाए ताकि किसी भी निर्दोष व्यक्ति के साथ अन्याय न हो तथा वास्तविक स्थिति सामने आ सके। इस संबंध में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उन्हें आश्वस्त

किया कि मामले की जांच पूरी तरह विधिक प्रक्रिया, उपलब्ध साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और जांच एजेंसियां निष्पक्षता के साथ अपना कार्य करेंगी। अजय भट्ट ने कहा कि देश की न्याय व्यवस्था और जांच एजेंसियों पर सभी को विश्वास रखना चाहिए। किसी भी व्यक्ति को दोषी या निर्दोष मानने का निर्णय केवल जांच और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्य तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर सामने आएगा तथा न्याय सुनिश्चित होगा। सांसद ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में रह रहे प्रवासी उत्तराखंडवासियों के हितों, सम्मान और सुरक्षा के प्रति वह पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। यदि किसी भी स्तर पर प्रवासी उत्तराखंडवासियों को सहायता की आवश्यकता होगी तो उनका पक्ष रखने और उन्हें हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

क्षतिग्रस्त सड़कों का निर्माण कराने को सौंपा ज्ञापन

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के एक शिष्टमंडल ने नगर मजिस्ट्रेट से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा जिसमें नगर के अनेक क्षेत्रों में शिवर पाईप लाईन डालने के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों का निर्माण कराने की मांग की गई है। शिष्टमंडल ने बताया कि बाजार क्षेत्र, नैनीताल रोड, मीरा मार्ग, मंगल पड़ाव, कारखाना बाजार शहरी क्षेत्र महानगर हल्द्वानी में जो सीवर लाइन बिछाने और जीर्ण-शीर्ण लाइनों के कार्य से सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। जिस कारण व्यापारियों और शहर वासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है सड़के टूटी फूटी होने के कारण व्यापारियों की दुकानों का सामान धूल-मिट्टी से खराब हो रहा है और शहर वासियों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है जिसके कारण कई बच्चे, बुजुर्ग व्यक्ति चोटिल हो चुके है। व्यापारियों ने नगर मजिस्ट्रेट से आग्रह किया कि मानसून सीजन भी आ रहा है जिससे शहर की जल निकासी, नालियों एवं सड़कों को सम्बन्धित विभाग द्वारा दुरुस्त एवं सुचारु करने अति शीघ्र कार्य करवाने की कृपा करें जिससे जनमानस को दिक्कतों का सामना ना करना पड़े। इस दौरान जिलाध्यक्ष विपिन गुप्ता, महामंत्री हर्षवर्धन पाण्डेय, महानगर अध्यक्ष योगेश शर्मा व महामंत्री मनोज जायसवाल आदि मौजूद थे। नगर मजिस्ट्रेट ने शिष्टमंडल को आश्वस्त किया कि इस संदर्भ में संबंधित अधिकारी को निर्देश जारी कर दिए जाएंगे।

चारा लेने गई महिला पर मगरमच्छ का हमला, हाथ गंभीर रूप से जख्मी

नानकमत्ता (उद संवाददाता)। खकरा नदी के किनारे पशुओं के लिए चारा लेने गई एक महिला पर मगरमच्छ ने हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और उसका एक हाथ बुरी तरह जख्मी हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। घायल महिला को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार ग्राम बिडोरा मझोला निवासी तुलसी गिरी गोस्वामी पत्नी धन गिरी गोस्वामी रविवार सुबह अन्य महिलाओं के साथ खकरा नदी के किनारे पशुओं के लिए चारा लेने गई थीं। बताया जाता है कि सुबह करीब 11 बजे जब महिलाएं नदी किनारे चारा एकत्र कर रही थीं, तभी वहां मौजूद एक मगरमच्छ ने अचानक तुलसी गिरी गोस्वामी पर हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मगरमच्छ ने महिला के हाथ को अपने जबड़ों में जकड़ लिया और उसे खींचने का प्रयास किया। महिला की चीख पुकार सुनकर साथ मौजूद अन्य महिलाओं ने साहस दिखाते हुए शोर मचाया और एकजुट होकर मगरमच्छ को भगाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद महिलाएं घायल महिला को मगरमच्छ के चंगुल से छुड़ाने में सफल रहीं। हालांकि हमले के दौरान महिला का एक हाथ बुरी तरह जख्मी हो गया। मगरमच्छ के हमले से हाथ का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई और आसपास के ग्रामीण भी घटनास्थल पर पहुंच गए। परिजन और ग्रामीण तत्काल घायल महिला को उपचार के लिए उप जिला चिकित्सालय सितारगंज लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे सुशीला तिवारी चिकित्सालय हल्द्वानी रेफर कर दिया, जहां उसका उपचार चल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि खकरा नदी और आसपास के जलाशयों में मगरमच्छों की मौजूदगी लंबे समय से बनी हुई है। इसके बावजूद नदी किनारे रहने वाले ग्रामीणों को पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मगरमच्छों की बढ़ती गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण और नदी किनारे चेतावनी संबंधी व्यवस्थाएं करने की मांग की है।

खाद्य सुरक्षा अधिनियम के लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

कुमाऊँ आयुक्त ने छह जिलों के डीएम को भेजा पत्र, मिलावट के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई तेज करने पर जोर

नैनीताल (संवाददाता)। कुमाऊँ आयुक्त एवं सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत ने मंडल के सभी जिलाधिकारियों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत लंबित मामलों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए प्रवर्तन कार्रवाई को और अधिक सक्रिय बनाने तथा लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने पर जोर दिया है। आयुक्त द्वारा नैनीताल, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, ऊधमसिंहनगर, चम्पावत और बागेश्वर जनपदों के जिलाधिकारियों को भेजे गए पत्र में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत दर्ज एवं निस्तारित मामलों की समीक्षा की गई है। समीक्षा में 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि को शामिल किया गया है। समीक्षा के अनुसार कुमाऊँ मंडल के छह जनपदों में इस अवधि के दौरान कुल 523 मामले दर्ज किए गए, जिनमें से अब तक केवल 103 मामलों का निस्तारण हो सका है, जबकि 420 मामले अभी भी लंबित हैं। बड़ी संख्या में मामलों के लंबित होने पर आयुक्त ने चिंता व्यक्त करते हुए इनके शीघ्र निस्तारण के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। जारी आंकड़ों के अनुसार नैनीताल जनपद में 374 मामलों के सापेक्ष केवल 49 मामलों का निस्तारण किया गया है, जबकि अल्मोड़ा में 31 में से 8, पिथौरागढ़ में 9 में से 8, ऊधमसिंहनगर में 80 में से 15, चम्पावत में 14 में से 12 तथा बागेश्वर में 15 में से 11 मामलों का निस्तारण किया गया है। दीपक रावत ने अपने निर्देशों में कहा है कि कुछ जनपदों में खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत नए मामलों की संख्या अपेक्षाकृत कम दर्ज होना भी चिंता का विषय है। इससे यह संकेत मिलता है कि खाद्य पदार्थों में मिलावट के विरुद्ध निरीक्षण और प्रवर्तन कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि समय समय पर विशेष अभियान चलाकर खाद्य प्रतिष्ठानों की सघन जांच कराई जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आयुक्त ने लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए नियमित समीक्षा करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में निस्तारित मामलों की अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही अधिनियम के अंतर्गत लंबित तीन सबसे पुराने मामलों का विवरण भी अनिवार्य रूप से भेजा जाए, ताकि उनकी प्रगति की निगरानी की जा सके। उन्होंने कहा कि आम जनता को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और मानक अनुरूप खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामलों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को जवाबदेही और गंभीरता के साथ कार्य करना होगा। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि खाद्य सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा जनस्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर प्रशासन पूरी गंभीरता से कार्रवाई करेगा।

मिट्टी बचाने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए आगे आएं किसान : गणेश जोशी

खेत बचाओ अभियान में कृषि मंत्री ने किया आह्वान, मृदा परीक्षण और प्राकृतिक खेती पर दिया जोर

काशीपुर (संवाददाता)। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मिट्टी का स्वास्थ्य सुरक्षित रखना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि भूमि की उर्वरता को संरक्षित नहीं किया गया तो भविष्य में कृषि उत्पादन और खाद्य सुरक्षा दोनों प्रभावित हो सकते हैं। किसानों को रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग से बचते हुए मृदा परीक्षण के आधार पर खेती करनी चाहिए, ताकि उत्पादन लागत कम होने के साथ फसल की गुणवत्ता और भूमि की उत्पादकता भी बनी रहे। कृषि मंत्री रविवार को काशीपुर स्थित गन्ना प्रेक्षागृह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में आयोजित राष्ट्रव्यापी खेत बचाओ अभियान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों, कृषि विशेषज्ञों तथा कृषि विभाग के अधिकारियों ने भागीदारी की। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि देश के किसान आज आधुनिक तकनीकों को अपनाकर कृषि क्षेत्र में नई संभावनाओं का सृजन कर रहे हैं। किसानों की मेहनत और वैज्ञानिक सोच ही कृषि को नई दिशा देने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि खेती को अधिक लाभकारी, टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए वैज्ञानिक तकनीकों, आधुनिक कृषि पद्धतियों और

जैविक उपायों को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों के संतुलित और न्यूनतम उपयोग की अपील करते हुए कहा कि नियमित मृदा परीक्षण से भूमि में उपलब्ध पोषक तत्वों की सही जानकारी मिलती है। इसके आधार पर उर्वरकों का प्रयोग करने से अनावश्यक खर्च कम होता है और फसल उत्पादन की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। उन्होंने कहा कि मृदा परीक्षण केवल एक तकनीकी प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने और खेती को दीर्घकालीन रूप से सुरक्षित बनाने का प्रभावी माध्यम है। कृषि मंत्री ने जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती की ओर आगे बढ़ना चाहिए। इससे जहां भूमि की उर्वरता लंबे समय तक बनी रहेगी, वहीं कृषि लागत में कमी आने के साथ किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में टिकाऊ कृषि प्रणाली ही भविष्य की खेती का आधार बनने जा रही है। गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। ड्रैगन फ्रूट, कीवी, मिलेट और अन्य उच्च मूल्य वाली फसलों को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिससे किसानों को पारंपरिक खेती के साथ अतिरिक्त आय के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले मृदा परीक्षण की सुविधा मुख्य रूप से प्रयोगशालाओं तक सीमित थी, जिसके कारण किसानों को समय पर अपनी भूमि की वास्तविक स्थिति की जानकारी नहीं मिल पाती थी। लेकिन अब डबल इंजन सरकार ने लैब टू लैंड की अवधारणा को धरातल पर उतारते हुए कृषि वैज्ञानिकों को सीधे किसानों के खेतों तक पहुंचाया है। इसके तहत कृषि विशेषज्ञ गांवों और खेतों में जाकर मिट्टी के नमूने एकत्र कर परीक्षण कर रहे हैं तथा किसानों को आवश्यक सलाह भी दे रहे हैं। कृषि मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि खेत बचाओ अभियान को जनआंदोलन का रूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि न्याय पंचायत स्तर तक व्यापक जागरूकता अभियान चलाकर किसानों को मृदा परीक्षण, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण तथा कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाए, ताकि अधिक से अधिक किसान इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। कार्यक्रम के दौरान किसानों को मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, उर्वरकों के संतुलित उपयोग, आधुनिक कृषि तकनीकों, जैविक खेती और फसल उत्पादन बढ़ाने के विभिन्न उपायों की जानकारी भी दी गई। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए खेती को वैज्ञानिक तरीके से करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मेयर दीपक बाली, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमित नारंग, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, जिला कृषि अधिकारी विकेश यादव, जिला उद्यान अधिकारी सतीश शर्मा सहित विभागीय अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

आरक्षण की मांग को लेकर बंगाली समाज के युवाओं ने कराया मुंडन

रूद्रपुर/सितारगंज(उद संवाददताता)। बंगाली समाज को आरक्षण दिलाने की मांग को लेकर चल रहे आरक्षण हमारा अधिकार आंदोलन के तहत युवाओं ने सरकार के प्रति कड़ा विरोध दर्ज कराया है। आंदोलनकारी युवाओं ने अपना सिर मुंडवाकर अपनी नाराजगी व्यक्त की और निर्णय लिया कि एकत्रित किए गए बालों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं विभिन्न जनप्रतिनिधियों को स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजा जाएगा, ताकि उनकी मांगों को देश के सर्वोच्च नेतृत्व तक पहुँचाया जा सके। कार्यक्रम का नेतृत्व समाजसेवी सुब्रत कुमार विश्वास ने किया। इस दौरान डॉ. सुनील हालदार, सुभाष राय, निपेन विश्वास, राजू विश्वास और धीरज विश्वास सहित अनेक युवाओं ने मुंडन कराकर आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन दिया। सुब्रत कुमार विश्वास ने कहा कि बंगाली समाज वर्षों से अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि एक ही देश में विभिन्न राज्यों में अलग-अलग व्यवस्थाएं सामाजिक

न्याय की भावना के विपरीत हैं। उन्होंने कहा कि समाज ने राष्ट्र निर्माण, शिक्षा और संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, लेकिन इसके बावजूद आज भी समाज का एक बड़ा वर्ग अपने हक के लिए संघर्षरत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह लड़ाई किसी राजनीतिक दल के विरुद्ध नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समान अवसरों की प्राप्ति के लिए है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगे पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन को व्यापक बनाया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर आमरण अनशन जैसे कदम उठाने से भी समाज पीछे नहीं हटेगा। सुभाष राय ने समाज की समस्याओं को रेखांकित करते हुए कहा कि बंगाली समाज के लोगों को प्रमाण-पत्रों और दस्तावेजों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन पूरे भारतवर्ष में निवासरत बंगाली समाज की एकजुटता का प्रतीक है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि समाज के प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित कर शैक्षणिक, आर्थिक और सामाजिक मुद्दों का ठोस समाधान निकाला जाए। इस अवसर पर किशोर हालदार, अभिमन्यु साना, सुब्रतन कुमार, डॉ. अली, प्रजापति आर. दास, प्रमोद अली सलमानी, श्याम दत्त लोधी, ओमप्रकाश लोधी, मनीष गुप्ता, अमल मंडल, तरुण विश्वास, निलेश खान, गोपाल मंडल, सुब्रत कुमार विश्वास, डॉ. सुनील हालदार, सुभाष राय, निपेन विश्वास, राजू विश्वास, धीरज विश्वास समेत बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा के जमीनी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा चिंताजनक: भुवन भट्ट

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। पूर्व जिला मीडिया प्रभारी भाजपा भुवन भट्ट ने राज्य में भाजपा के पुराने और जमीनी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा पर गहरी चिंता जताई है। उनका कहना है कि जिन कार्यकर्ताओं की मेहनत और त्याग से पार्टी उत्तराखंड में दो बार सत्ता में आई, आज वही कार्यकर्ता हाशिए पर डाल दिए

गए हैं। पार्टी बाहर से आए दल बदलू नेताओं को पद और दायित्व सौंप रही है, जबकि निष्ठावान कार्यकर्ता सिर्फ दरी बिछाने, पुतले फूंकने, बैठक में भीड़ जुटाने और नेताओं के होर्डिंग लगाने तक सीमित रह गए हैं। उन्होंने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों की स्थिति और भी गंभीर है। यहाँ स्थानीय अधिकारी और सत्ता के करीबी लोग अपनी मनमानी कर रहे हैं। आम जनता और कार्यकर्ताओं की समस्याओं की सुनवाई नहीं हो रही है, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व से मांग की है कि निष्ठावान और जमीनी कार्यकर्ताओं को संगठन में उचित स्थान और जिम्मेदारी दी जाए, पहाड़ों में अधिकारियों की मनमानी पर रोक लगाकर जनता और कार्यकर्ताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए।यदि कार्यकर्ताओं का सम्मान नहीं बचेगा तो संगठन कमजोर होगा और इसका सीधा असर जमीनी स्तर पर पड़ेगा।

स्वामी हरि चैतन्यपुरी महाराज का प्राकट्योत्सव 12 जून को

गढीनेगी (उद संवाददाता)। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी श्री हरि चैतन्य पुरी जी महाराज प्राकट्योत्सव एंव विराट धर्म का आयोजन 3 जून से 12 तक श्री हरि कृपा धाम आश्रम गढ़ीनेगी में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत 3 से 11 जून तक प्रतिदिन श्री महाराज जी के दिव्य प्रवचन सांय 3 से 6 बजे तक हो रहे हैं। 11 जून

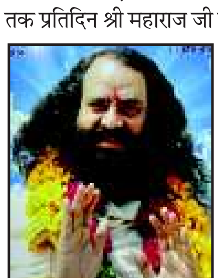

को विशाल कलश एंव तिरंगा यात्रा प्रात: 7 बजे से श्री हरेश्वर महादेव मंदिर, श्री हरि कृपा धाम आश्रम से वीर अमर शहीदों व जाबांज सैनिकों के सम्मान में निकाली जाएगी। उसके बाद रामायण पाठ का शुभारंभ होगा। जिसका समापन 12 जून को प्रात: 8 बजे किया जाएगा। 12 जून को 67 वें श्री हरि प्राकट्योत्सव के उपलक्ष्य में प्रात: 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक विशाल व भव्य शौर्य सम्मान समारोह वीर अमर शहीदों व जाबांज सैनिकों को समर्पित करते हुए आयोजित होगा। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीद परिवारों, जाबांज सैनिकों व समाज के रीयल हीरोज का सम्मान किया जाएगा। देश के प्रसिद्ध भजन गायकों के भजन, बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम व विश्व प्रसिद्ध ब्रज का मयूर नृत्य, फूलों की होली, डांडिया नृत्य व श्री महाराज जी के दिव्य प्रवचन होंगे। कार्यक्रम में अनेक प्रमुख संत, देश व प्रदेश के अनेक प्रमुख राजनेता व प्रदेश व देशभर के अनेक प्रांतों के श्रद्धालु सम्मिलित होंगे।

रुद्रपुर में भारतीय हैंडबॉल प्रशिक्षण शिविर का समापन

रुद्रपुर (संवाददाता)। हैंडबॉल एसोसिएशन ऑफ इंडिया एवं जिला प्रशासन ऊधमसिंह नगर के समन्वय से श्री मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम रुद्रपुर में आयोजित 12 दिवसीय भारतीय हैंडबॉल प्रशिक्षण शिविर का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। 27 मई से प्रारंभ हुए इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में भारतीय यूथ एवं जूनियर हैंडबॉल टीम के खिलाड़ियों ने भाग लेते हुए खेल कौशल को निखारने के लिए गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन समारोह में जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, मुख्य कोषाधिकारी डॉ. पंकज कुमार शुक्ला, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी उमाशंकर नेगी, उत्तराखंड ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. डी.के. सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी जानकी कार्की, प्रवीण, डॉ. नागेंद्र प्रसाद शर्मा,

मनीष पंत, गोविंद मटियाली तथा खेल विभाग के सभी प्रशिक्षक मौजूद रहे। समारोह के दौरान भारतीय यूथ एवं जूनियर हैंडबॉल टीम के खिलाड़ियों तथा भारतीय टीम के मुख्य कोच फिरोज खान को सम्मानित किया गया। अतिथियों ने खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड में खेलों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है और सरकार तथा प्रशासन खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। रुद्रपुर में आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर से स्थानीय खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिली है तथा खेलों के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ेगा। शिविर के दौरान खिलाड़ियों को तकनीकी कौशल, शारीरिक दक्षता, टीम समन्वय और प्रतियोगी रणनीतियों का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षकों ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि शिविर के दौरान प्रतिभागियों ने अनुशासन और समर्पण के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन अवसर पर खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों ने जिला प्रशासन, खेल विभाग तथा हैंडबॉल एसोसिएशन ऑफ इंडिया का सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

श्रीमद् भागवत सप्ताह भक्ति ज्ञान महायज्ञ से पूर्व 108 महिलाओं ने निकाली भव्य कलश यात्रा

सितारगंज। श्री सनातन धर्म मंदिर में आज से शुरू हो रहे संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह भक्ति ज्ञान महायज्ञ से पूर्व 108 महिलाओं ने मंदिर से कलश उठाए ओर विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए श्री सनातन धर्म मंदिर में पहुंचकर व्यास पीठ पर स्थापित किए गए। पंडित श्रीरामजी महाराज ने बताया कि पुरुषोत्तम मास का बड़ा पवित्र महीना है इस माह में भागवत कथा का स्मरण करने से बहुत पुण्य लाभ प्राप्त होता है उन्होंने सभी भक्तों से अधिक संख्या में कथा सुनने के लिए प्रेरित किया।वहीं श्रीमदभावत कथा के आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है। कलश यात्रा में रोशन लाल अग्रवाल, शिवकुमार मित्तल,राजाराम सिंघल,सुरेश सिंघल,महेश मित्तल,भीमसेन गर्ग, अनिल गर्ग,सुनील गर्ग, सतीश उपाध्याय, कपिल मित्तल,विन्देश जायसवाल, जीवन बोरा, मथुरा प्रसाद तिवारी, राजरानी गर्ग,लक्ष्मी सिंघल, बाला मित्तल, धर्मा देवी,संगीता मित्तल आदि मौजूद रहे।

न्याय व्यवस्था में समावेशिता और पारदर्शिता विकसित भारत के संकल्प की नींव: सीएम

उत्तराखंड जज एसोसिएशन की कल्याण निधि के लिए पांच करोड़ रुपये देने की घोषणा

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि न्याय व्यवस्था को अधिक समावेशी, सुलभ, पारदर्शी और प्रभावी बनाना सुशासन की मूल भावना है तथा समाज के प्रत्येक वर्ग तक त्वरित और निष्पक्ष न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि न्याय की सार्थकता उसकी निष्पक्षता और समयबद्धता में निहित है तथा न्यायिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी और त्वरित बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री रविवार को यूपीईएस बिधौली में आयोजित उत्तराखंड न्यायाधीश संघ के वार्षिक सम्मेलन जूडिशियम 2.0 इंक्लूजन, एक्सेस एंड स्ट्रेंथनिंग में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने उत्तराखंड जज एसोसिएशन की कल्याण निधि के लिए पांच करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध कराने की घोषणा की तथा एसोसिएशन की स्मारिका का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्मेलन की थीम समावेशिता, न्याय तक आसान पहुंच और न्यायिक संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित है, जो विकसित भारत के निर्माण के संकल्प से सीधे जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था में समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर और सम्मान मिलना चाहिए तथा न्याय तक पहुंच में भौगोलिक या आर्थिक परिस्थितियां बाधक नहीं बननी चाहिए। विशेष रूप से उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को सरल और सुलभ न्याय उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का एक मजबूत स्तंभ है, जो नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने के साथ ही समाज में विश्वास और सुरक्षा की भावना को भी मजबूत करती है। कानून के शासन की सफलता न्यायपालिका के प्रति जनता के विश्वास पर निर्भर करती है और न्यायाधीश इस दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की न्यायिक व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे नए कानूनों के साथ ई कोर्ट, नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड, डिजिटल केस मैनेजमेंट और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी व्यवस्थाओं ने न्यायिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी न्यायालयों के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, डिजिटल कोर्ट, ई फाइलिंग और वर्चुअल सुनवाई जैसी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। साथ ही राजस्व लोक अदालतों के माध्यम से वर्षों से लंबित मामलों का त्वरित और सौहार्दपूर्ण समाधान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कानून व्यवस्था को मजबूत करने तथा अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने नकल विरोधी कानून, अवैध धर्मांतरण निरोधक कानून, दंगा रोधी कानून तथा भ्रष्टाचार और अवैध अतिक्रमण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन प्रयासों से उत्तराखंड में कानून के राज को और अधिक मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण और सभी नागरिकों को समान न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लागू समान नागरिक संहिता एक ऐतिहासिक कदम है, जिसकी देशभर में चर्चा हो रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जूडिशियम 2.0 सम्मेलन न्याय व्यवस्था को अधिक समावेशी, सुलभ, पारदर्शी और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा विकसित और श्रेष्ठ उत्तराखंड के निर्माण के संकल्प को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम में उत्तराखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता, न्यायमूर्ति रविन्द्र मैठाणी, न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल, न्यायमूर्ति आलोक मेहरा, न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय, न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह, उत्तराखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल योगेश कुमार गुप्ता, विभिन्न न्यायालयों के न्यायाधीश तथा अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

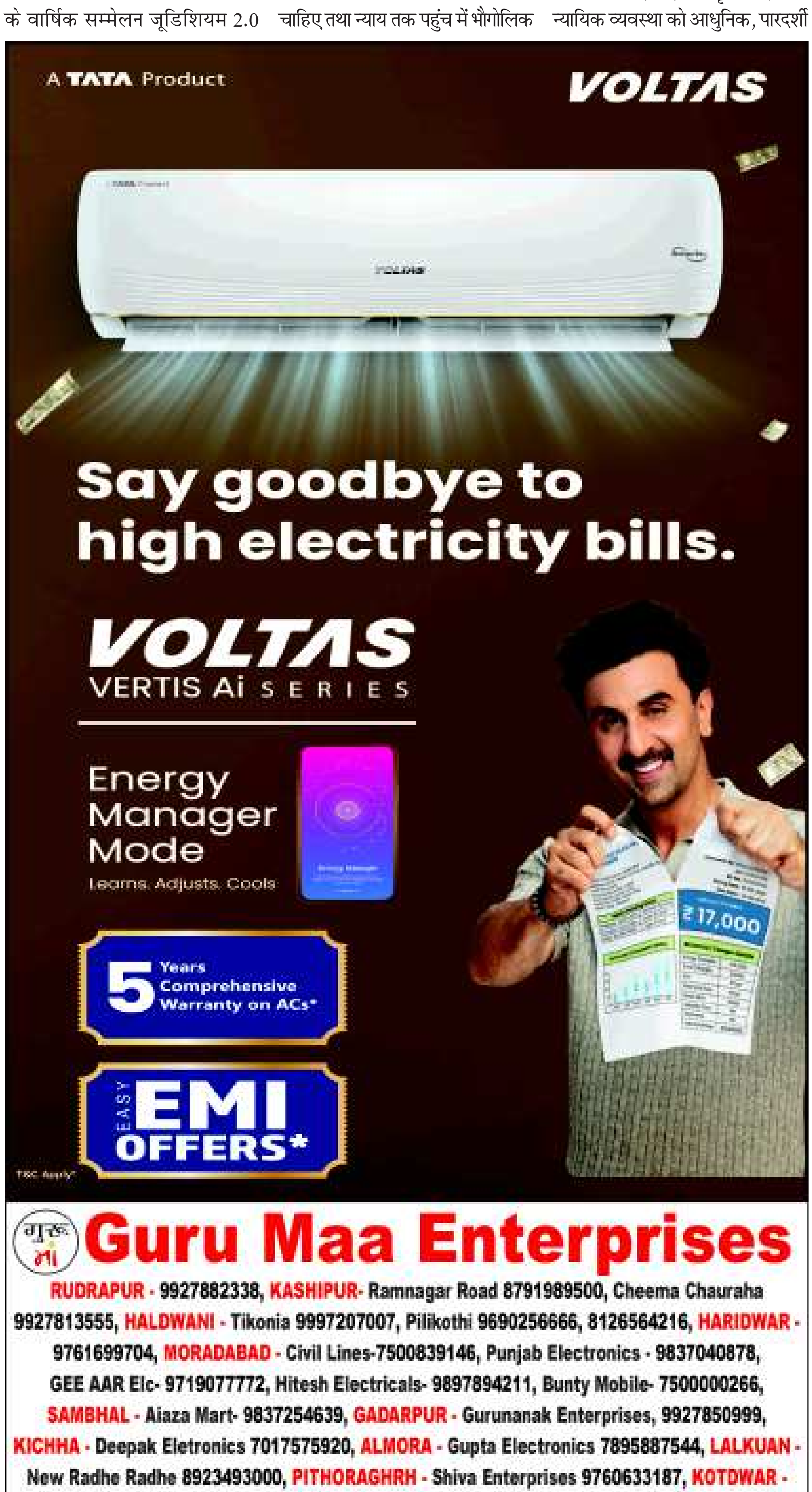

सूरजपुर नंबर 1 और 2 को जोड़ने वाली सड़क का शिलान्यास

गदरपुर (उद संवाददाता)। गदरपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा सूरजपुर में लंबे समय से प्रतीक्षित सूरजपुर नंबर 1 से सूरजपुर नंबर 2 को जोड़ने वाली सड़क निर्माण परियोजना का शिलान्यास पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक अरविंद पांडे ने किया। लगभग 33 लाख 45 हजार रुपये की लागत से बनने वाली सहयोग से क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में जिन सड़कों और विकास कार्यों का निर्माण अभी शेष है, उन्हें भी आगामी विधानसभा चुनाव से पूर्व पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। अरविंद पांडे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र उन्होंने कहा कि सूरजपुर नंबर 1 और सूरजपुर नंबर 2 को जोड़ने वाली सड़क की मांग ग्रामीण लंबे समय से कर रहे थे। सड़क निर्माण होने से ग्रामीणों को आवागमन में आसानी होगी, वहीं किसानों को अपनी फसलों और कृषि उत्पादों के परिवहन में भी सुविधा मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सड़क निर्माण के बाद

यह सड़क एक किलोमीटर से अधिक लंबाई की होगी, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन के साथ-साथ कृषि कार्यों में भी बड़ी सुविधा मिलेगी। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान विधायक अरविंद पांडे ने कहा कि गदरपुर विधानसभा उत्तराखंड की आदर्श विधानसभाओं में शामिल है, जहां लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है और विभिन्न क्षेत्रों में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तराखंड में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी और राज्य विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्राम प्रधान शिवम गंभीर ने विधायक अरविंद पांडे का आभार व्यक्त किया। दोनों गांवों के बीच संपर्क और अधिक मजबूत होगा तथा स्थानीय लोगों को दैनिक कार्यों में राहत मिलेगी। इस अवसर पर अमरनाथ चुघ, मनोहर लाल शर्मा, राकेश भुड्डी, रिजवान पाशा, गुलशन गंभीर, उमेश गंभीर, रवि शर्मा, शिवम सचदेवा, नवजोत सिंह, अजीत सिंह फौजी, लाल सिंह, संजू शर्मा, कुलबीर सिंह, सिमरनजीत सिंह ढिल्लों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

एनडीआरएफ ने निकाली साइकिल रैली

गदरपुर। फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत संचालित 'संडे ऑन साइकिल' अभियान के तहत 15वीं वाहिनी एनडीआरएफ, गदरपुर द्वारा रविवार को साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली वाहिनी मुख्यालय गदरपुर से शुरू होकर बौर जलाशय, गुलरभोज तक निकाली गई, जिसमें वाहिनी के अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन कमांडेंट संतोष कुमार के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में किया गया। रैली का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना, शारीरिक फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा नियमित व्यायाम और साइकिलिंग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश देना था। इस अवसर पर कमांडेंट संतोष कुमार ने कहा कि फिट इंडिया अभियान देशवासियों को स्वस्थ, सक्रिय और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां न केवल शारीरिक क्षमता और सहनशक्ति को बढ़ाती हैं, बल्कि अपनाने का संकल्प लिया। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जन- जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

टीम भावना, सामूहिक सहभागिता एवं सकारात्मक ऊर्जा को भी मजबूत करती हैं। रैली में शामिल सभी कार्मिकों ने फिट एवं स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए नियमित शारीरिक गतिविधियों को कार्यक्रम में उप कमांडेंट सुनील कुमार, रोहिताश मिश्रा, सुनील कुमार यादव, सहायक कमांडेंट/अभियंता मनोज जोशी, निरीक्षक सुभाष जोशी सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की।

युवाओं के सपनों से गढ़ा जाएगा नए रुद्रपुर का भविष्य

नई सोच नया रुद्रपुर युवा संवाद में उभरा विकास का विजन, रूद्रपुर को शिक्षा का हब बनाने के होंगे ठोस प्रयास: विकास शर्मा

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। रुद्रपुर कैसा बने, आने वाले वर्षों में शहर की पहचान क्या हो, युवाओं को अपने ही शहर में शिक्षा, रोजगार, खेल, स्वास्थ्य और आधुनिक सुविधाएं कैसे मिलें तथा विकास की दिशा क्या हो, इन सवालों के जवाब तलाशने के लिए आयोजित नई सोच नया रुद्रपुर युवा संवाद 2026 शहर के भविष्य का रोडमैप तैयार करने वाला एक महत्वपूर्ण मंच बन गया। होटल रेडिशन में आयोजित इस अनूठे संवाद कार्यक्रम में सैकड़ों युवाओं ने बढ़ चढ़कर भागीदारी करते हुए अपने सपनों के रुद्रपुर की तस्वीर प्रस्तुत की। युवाओं ने केवल समस्याएं नहीं गिनाईं, बल्कि उनके समाधान और भविष्य की विकास योजनाओं का विस्तृत खाका भी सामने रखा। कार्यक्रम में युवाओं को सुनने के बाद महापौर ने रूद्रपुर को शिक्षा का हब बनाने के लिए शासन स्तर पर ठोस प्रयास करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं को सुझावाओं पर

विकसित करने का सुझाव दिया, जहां नागरिक अपनी समस्याएं दर्ज कर सकें और उनके समाधान की प्रगति भी ऑनलाइन देख सकें। शिक्षा व्यवस्था में तकनीक आधारित बदलाव की जरूरत बताते हुए छात्रों ने स्कूल स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल एजुकेशन, स्किल डेवलपमेंट और रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों को शामिल करने पर जोर दिया। खेल सुविधाओं को और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। इसके अलावा जाम मुक्त और दुर्घटना मुक्त शहर, बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन, मजबूत ट्रैफिक लाइट व्यवस्था, अतिक्रमण मुक्त फुटपाथ और पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए। दूसरे सत्र यूथ वॉइस स्पॉटलाइट में युवाओं ने विभिन्न समस्याओं के व्यावहारिक समाधान भी प्रस्तुत किए। अधिक अवसर सृजित करने की मांग भी रखी। कल्याणी नदी को लेकर भी गंभीर चर्चा हुई। रोटरी क्लब से जुड़े एक युवा ने सुझाव दिया कि सिडकुल क्षेत्र से निकलने वाले दूषित जल को नदी में जाने से रोकने के लिए आधुनिक ट्रीटमेंट सिस्टम और भूमिगत पाइपलाइन नेटवर्क विकसित किया जाना चाहिए। महापौर विकास शर्मा ने संवाद के दौरान युवाओं के सुझावों को गंभीरता से सुना और उन्हें चल रहा है। नगर निगम आठ आरोग्य स्वास्थ्य केंद्र शुरू कर चुका है। बजाज समूह के सहयोग से तीन करोड़ रुपये के कौशल विकास प्रोजेक्ट पर कार्य प्रारंभ किया गया है, जिसमें युवतियों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। महापौर ने बताया कि युवाओं के लिए मल्टीफेसिलिटी भवन तथा किच्छा रोड पर आठ एकड़ भूमि में आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का प्रस्ताव शासन को भेजा

शांभवी तिवारी ने कहा कि तकनीक, नवाचार और सुशासन को युवाओं की भागीदारी के साथ जोड़कर ही रुद्रपुर को स्मार्ट सिटी की दिशा में आगे बढ़ाया जा सकता है। आईपीएस जितेन्द्र चौधरी ने कहा कि किसी भी परिवर्तन की शुरुआत स्वयं से होती है और युवाओं को नियमों के पालन में उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता विपुल शर्मा ने कहा कि रुद्रपुर को अवसरों के शहर के रूप में विकसित करने के लिए कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने युवाओं से सोशल मीडिया पर समय व्यर्थ करने के बजाय ज्ञान और कौशल अर्जित करने पर ध्यान देने की अपील की। भाजपा नेता विवेकदीप सिंह ने कहा कि यह संवाद रुद्रपुर के भविष्य की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण प्रयास है और सकारात्मक भागीदारी से ही शहर की समस्याओं का समाधान संभव है। कार्यक्रम के अंत में अपने सुझाव रखने वाले युवाओं को प्रशस्ति पत्र

प्राथमिकता से काम होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर विकास शर्मा और अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। संवाद के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, यातायात, पर्यावरण संरक्षण, डिजिटल सेवाएं, महिला सुरक्षा, खेल सुविधाएं और स्मार्ट सिटी की अवधारणा जैसे विषयों पर युवाओं ने खुलकर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान कई ऐसे सुझाव सामने आए जिन्हें शहर के विकास की भावी योजनाओं में शामिल किए जाने की संभावना जताई गई। कार्यक्रम के पहले सत्र अगर मैं मेयर होता में युवाओं ने अपने सपनों के रुद्रपुर का विस्तृत खाका पेश किया। युवाओं का कहना था कि यदि शहर को वास्तव में स्मार्ट बनाना है तो सबसे पहले वेस्ट मैनेजमेंट और जल प्रबंधन को मजबूत करना होगा। वर्षों से उपेक्षा का शिकार रही कल्याणी नदी को पुनर्जीवित कर उसके पुराने स्वरूप में लौटाया जाना चाहिए। युवाओं ने नगर निगम का एक डिजिटल डैशबोर्ड लेकर युवाओं ने निःशुल्क स्पोर्ट्स एकेडमी स्थापित करने तथा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराने की मांग की। सुरक्षा व्यवस्था पर बोलते हुए युवाओं ने शहर की प्रत्येक गली और सार्वजनिक स्थान पर सीसीटीवी नेटवर्क स्थापित करने, महिला सुरक्षा को लेकर विशेष तंत्र विकसित करने तथा जन समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए नागरिक सलाह परिषद गठित करने का सुझाव दिया। युवाओं ने कहा कि शहर में लगातार बढ़ रही जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाना चाहिए। इसके साथ ही सरकारी विद्यालयों की स्थिति में सुधार, सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने तथा अनियंत्रित रूप से बढ़ रही ई रिक्शा संख्या पर प्रभावी नियंत्रण की आवश्यकता भी जताई गई। एक छात्रा ने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य का मुद्दा उठाते हुए कहा कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा के दौर में विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग, कम्युनिकेशन स्किल मनीष सिन्हा ने शहर की ट्रैफिक समस्या को लेकर ई रिक्शा संचालन को व्यवस्थित करने, उनके लिए निर्धारित रूट तय करने तथा भारी वाहनों की आवाजाही को समयबद्ध करने का सुझाव दिया। सौरभ ने यातायात नियमों के बार बार उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की आवश्यकता बताई। उन्होंने डिग्री कॉलेज की भूमि का उपयोग कर पंतनगर विश्वविद्यालय की तर्ज पर एक बड़े सरकारी विश्व विद्यालय की स्थापना का सुझाव दिया। साथ ही शहर को स्वच्छ बनाने के लिए प्रत्येक दुकान के बाहर डस्टबिन अनिवार्य करने की बात कही। आरुषी अरोरा ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए जापान की मियावाकी तकनीक से शहरी वन विकसित करने और बड़े पैमाने पर पौध रोपण अभियान चलाने का सुझाव दिया। युवाओं ने इलेक्ट्रिक वाहन आधारित सार्वजनिक परिवहन प्रणाली विकसित करने, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करने तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नोट भी किया। उन्होंने कहा कि आज का युवा केवल देश का भविष्य नहीं बल्कि वर्तमान का नेतृत्वकर्ता भी है। युवाओं की सोच को योजनाओं से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सहयोग से रुद्रपुर को आधुनिक और सुव्यवस्थित शहर बनाने की दिशा में लगातार कार्य हो रहे हैं। नगर निगम युवाओं की एक विशेष समिति गठित करेगा, जो समय समय पर शहर के विकास को लेकर सुझाव देगी और अच्छे विचारों को प्राथमिकता के साथ अमल में लाया जाएगा। महापौर ने बताया कि कल्याणी नदी के पुनर्जीवन के लिए नमामि गंगे योजना के अंतर्गत 300 करोड़ रुपये की परियोजना केंद्र सरकार को भेजी गई है। सिडकुल एसटीपी का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, जिसके शुरू होने के बाद नदी में दूषित जल का प्रवाह काफी हद तक रुक जाएगा। उन्होंने बताया कि गंगापुर रोड की नहरों पर रिवर फ्रंट विकसित करने की योजना पर काम गया है। जलभराव की समस्या के समाधान के लिए 296 करोड़ रुपये की ड्रेनेज योजना तैयार की गई है, जिसमें 100 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा तीनपानी डैम के पुनरोद्धार का कार्य शुरू हो चुका है तथा इंदौर मॉडल पर ट्रैफिक प्रबंधन और ईवी बस सेवा शुरू करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। पैनल चर्चा में आईएएस देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील ठुकराल और रवि सिडाना ने किया। इस अवसर पर पारस चुघ, गौरव जुयाल, चिराग कालरा, अजय चड्ढा, भरत शाह, राजन राठौर, मोहन तिवारी, कृतिका सिंह, मौलिक, मानस बोरा, भावेश मथेला, जतिन खत्री, महिमा कुमारी, प्रभजोत कौर सहित बड़ी संख्या में युवा मौजूदरहे।

युवा मन को समझने की पहल ने पेश की नई मिसाल

रूद्रपुर। बदलते दौर में युवाओं की सोच, उनकी प्राथमिकताओं और उनके सपनों को समझना आज समय की सबसे बड़ी जरूरत बन गया है। विशेषकर जेनरेशन-जेड की वह पीढ़ी, जो तकनीक के साथ आगे बढ़ रही है और देश एवं समाज के मुद्दों पर अपनी अलग सोच रखती है, उसके मनोभावों को समझने के लिए रुद्रपुर से एक अनूठी पहल की शुरुआत हुई है। महापौर विकास शर्मा की पहल पर आयोजित "नई सोच नया रुद्रपुर युवा संवाद-2026" प्रदेश में अपनी तरह का पहला ऐसा प्रयास माना जा रहा है, जिसमें युवाओं को केवल भाषण सुनने के लिए नहीं बुलाया गया, बल्कि उन्हें शहर के भविष्य की योजनाओं में भागीदार बनाते हुए उनसे पूछा गया कि

वह अपने सपनों का रुद्रपुर कैसा देखना चाहते हैं। ऐसे समय में जब देशभर में युवाओं की सोच, उनकी अपेक्षाओं और व्यवस्था से संवाद को लेकर नई बहस चल रही है, यह पहल युवाओं और नेतृत्व के बीच विश्वास का नया पुल बनाने वाली साबित हो सकती है। युवा पीढ़ी को समझने के लिए जरूरी है कि उन्हें केवल संदेश न दिया जाए, बल्कि उनकी बात सुनी जाए। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए महापौर विकास शर्मा ने युवाओं के बीच जाकर उनकी पीड़ा, उनकी उम्मीदों और उनके विचारों को समझने का प्रयास किया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि युवा केवल सवाल लेकर नहीं आए, बल्कि समाधान और भविष्य का विजन लेकर सामने आए। किसी ने कल्याणी नदी के पुनर्जीवन की बात रखी तो किसी ने शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा, पर्यावरण, तकनीक और बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए सुझाव दिए। यह संवाद इस सोच को भी मजबूत करता है कि आज के युवा को सही मंच और सही दिशा मिले तो वही युवा विकास का सबसे बड़ा भागीदार बन सकता है। महापौर विकास शर्मा ने युवाओं को यह भरोसा दिलाया कि उनके विचार सिर्फ कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उन्हें योजनाओं में शामिल कर धरातल पर उतारने का प्रयास किया जाएगा। नई पीढ़ी से संवाद स्थापित करने की यह पहल आने वाले समय में अन्य शहरों के लिए भी एक मॉडल साबित हो सकती है, जहां विकास की योजनाएं युवाओं की सोच और भागीदारी के साथ आगे बढ़ेंगी।

युवाओं ने उच्च शिक्षा और रोजगार को बताया सबसे बड़ी प्राथमिकता

रूद्रपुर। कार्यक्रम के दौरान आयोजित लाइव ऑडियंस पोल में युवाओं की सोच और प्राथमिकताओं की स्पष्ट झलक देखने को मिली। ओडियंश पोल में शामिल युवाओं को मोबाइल के माध्यम से पांच प्रमुख विकल्प दिए गए और उनसे पूछा गया कि आने वाले पांच वर्षों में रुद्रपुर के विकास की सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता क्या होनी चाहिए। मतदान में सबसे अधिक युवाओं ने शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों को शहर की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। इसके बाद यातायात व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य सुविधाओं को प्राथमिकता मिली। उच्च शिक्षा और रोजगार का मुद्दा केवल पोल तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सुझाव सत्र के दौरान भी बड़ी संख्या में युवाओं ने इसे प्रमुखता से उठाया। कई छात्र छात्राओं ने कहा कि इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी करने के बाद उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती बेहतर उच्च शिक्षा संस्थानों की कमी होती है।

इंजीनियरिंग, मेडिकल, प्रबंधन, शोध और व्यावसायिक शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को दिल्ली, मुम्बई, चंडीगढ़, बंगलुरू और अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है, जिससे आर्थिक रूप से सामान्य परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। युवाओं ने कहा कि विशेष रूप से बेटियों की उच्च शिक्षा को लेकर अभिभावकों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सुरक्षा, आवास, खर्च और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण कई परिवार अपनी बेटियों को दूसरे शहरों में पढ़ने भेजने से हिचकिचाते हैं। इसका सीधा असर उनकी शिक्षा और करियर पर पड़ता है। युवाओं का कहना था कि यदि रुद्रपुर में गुणवत्तापूर्ण विश्वविद्यालय, प्रोफेशनल कॉलेज, तकनीकी संस्थान और प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के लिए सुविधाएं उपलब्ध हों तो हजारों विद्यार्थियों को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। संवाद में शामिल युवाओं ने यह भी कहा कि लंबे समय से उच्च शिक्षा और कौशल विकास का यह मुद्दा उठता रहा है, लेकिन अब तक इस दिशा में अपेक्षित स्तर पर प्रयास नहीं हुए हैं। युवाओं का मानना था कि शिक्षा और रोजगार को एक दूसरे से जोड़कर देखा जाना चाहिए। यदि शहर में आधुनिक शिक्षा संस्थान, स्किल डेवलपमेंट सेंटर, स्टार्टअप इनक्यूबेशन हब और रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएं तो रुद्रपुर न केवल शिक्षा का केंद्र बन सकता है, बल्कि प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता का बड़ा हब भी बन सकता है। युवाओं ने मांग की कि शहर के विकास की भावी योजनाओं में उच्च शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि रुद्रपुर की प्रतिभाएं दूसरे शहरों की ओर पलायन करने के बजाय अपने शहर व प्रदेश के विकास में योगदान दे सकें।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

महंगाई का संकट

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से पैदा हुए संकट का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर ऊर्जा और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर पड़ रहा है, जिससे इनकी कीमतों में इजाफा होना स्वाभाविक है।महंगाई अब आम आदमी की जेब पर भारी पड़ने लगी है और निश्चित तौर पर इसका प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। यही वजह है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने शुक्रवार को आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 6.9 फीसद से घटाकर 6.6 फीसद, जबकि खुदरा महंगाई दर के अनुमान को 4.6 फीसद से बढ़ाकर 5.1 फीसद कर दिया है।हालांकि, सरकार का लक्ष्य महंगाई दर को चार फीसद के दायरे में सीमित रखने का है, लेकिन सवाल है कि वर्तमान में जो परिस्थितियां बनी हैं, उस लिहाज से क्या इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकेगा, या फिर यह आंकड़ा महज सरकारी कागजों में दिखाने के लिए ही रह जाएगा। यह आशंका इसलिए व्यक्त की जा रही है, क्योंकि सरकार की ओर से मौजूदा संकट से निपटने के लिए कोई ठोस एवं विस्तृत रूपरेखा अभी तक सामने नहीं आई है।आरबीआइ ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.25 फीसद पर बरकरार रखा है और इसे आम लोगों के लिए राहत के रूप में पेश किया जा रहा है। मगर इसका दूसरा पहलू यह है कि पहले से ही महंगाई से जूझ रहे समाज के एक वर्ग को उम्मीद थी कि रेपो दर में कुछ कमी की जाएगी, जिससे उन्हें अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए बैंक से कर्ज लेने और मासिक किस्त चुकता करने में आसानी होगी।गौरतलब है कि रेपो दर में कमी और वृद्धि से ब्याज दरें भी घटती एवं बढ़ती हैं, जिसका सीधा असर बैंकों से कर्ज लेने वालों की मासिक भुगतान किस्त पर पड़ता है। यह बात स्पष्ट है कि बढ़ते वैश्विक तनाव, वस्तुओं की ऊंची कीमतों और आपूर्ति में समस्या देश के आर्थिक परिदृश्य के लिए, जोखिम पैदा कर रहे हैं।कच्चे तेल के दामों में आए उछाल और विदेशी संस्थागत निवेशकों की रिकार्ड पूंजी निकासी के कारण रुपया इस वर्ष डालर के मुकाबले छह फीसद से अधिक टूटा है। इसके साथ ही विदेशी मुद्रा भंडार पर भी दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में अगर समग्र रूप से कारगर कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में स्थिति और ज्यादा बिगड़ने से इनकार नहीं किया जा सकता। देश की अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम सिर्फ पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की वजह से ही नहीं है, बल्कि घरेलू मोर्चे पर भी कई तरह की चुनौतियां स्थिति को जटिल बना रही हैं। मसलन, आरबीआइ ने अपनी रिपोर्ट में सामान्य से कम मानसून के अनुमान और अल-नीनो के कारण उत्पन्न जोखिमों का भी उल्लेख किया है।

आंधी-तूफान से बाधित मार्गों को प्रशासन ने कराया सुचारु

चम्पावत (उद संवाददाता)। जनपद में रविवार सायं आए तेज आंधी-तूफान के बाद बाधित हुई सड़कों और प्रभावित विद्युत व्यवस्था को बहाल करने के लिए जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राहत कार्य शुरू कर दिया। जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देश पर प्रशासन, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियां लगातार प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी कर रही हैं। आपदा कंट्रोल रूम से प्राप्त जानकारी के अनुसार आंधी-तूफान के दौरान टनकपुर पूर्णागिरि मोटर मार्ग पर गेंडाखाली से आगे एक बड़ा पेड़ सड़क पर गिर जाने से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया था। सूचना मिलते ही लोक निर्माण विभाग और फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची तथा संयुक्त अभियान चलाकर पेड़ को हटाया। त्वरित कार्रवाई के चलते मार्ग को बूम तक यातायात के लिए पुनः खोल दिया गया, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को राहत मिली। इसके

अलावा ककरालीगेट, थूलीगाड़ और भैरव मंदिर मार्ग पर भी आंधी के कारण व्यवधान उत्पन्न हो गया था। कार्यदायी संस्था द्वारा तत्काल मशीनरी और कर्मचारियों को मौके पर भेजकर सड़क पर आए मलबे और अवरोधों को हटाया गया। इसके बाद मार्ग को दोनों ओर से यातायात के लिए सुचारु कर दिया गया। आंधी-तूफान का असर विद्युत व्यवस्था पर भी पड़ा है। पूर्णागिरि फीडर की विद्युत लाइनें कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त होने से क्षेत्र की बिजली आपूर्ति प्रभावित हो गई। विद्युत विभाग की टीमें युद्धस्तर पर मरम्मत और बहाली कार्य में जुटी हुई हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार क्षतिग्रस्त लाइनों को दुरुस्त करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है और सोमवार दोपहर तक विद्युत आपूर्ति बहाल किए जाने की संभावना है। तहसीलदार पिंकी आर्या ने बताया कि जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देशों के अनुरूप तहसील प्रशासन की टीम लगातार प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर रही है। किसी भी संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है तथा आवश्यक संसाधनों को तैयार रखा गया है। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि मार्गों और विद्युत व्यवस्था को जल्द से जल्द पूरी तरह सामान्य बनाया जाए तथा आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न होने दी जाए।

प्रेम आश्रम धाम में विशाल जागरण एवं भंडारा संपन्न

रुद्रपुर। संपतपुर स्थित श्री प्रेम आश्रम धाम में गुरु गायत्री नाथ महाराज के सानिध्य में आयोजित 72वां वार्षिक विशाल जागरण, हवन पूजन और भंडारा श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हो गया। दादा गुरु श्री श्री 1008 भरव नाथ महाराज के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूजा अर्चना की तथा गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के तहत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन पूजन का आयोजन किया गया। इसके साथ ही कई दिनों से चल रहे श्रीमद्भागवत कथा भक्ति ज्ञान यज्ञ का भी विधिवत समापन हुआ। कथा समापन के अवसर पर श्रद्धालुओं ने धर्म, भक्ति और मानव कल्याण से जुड़े संदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। आयोजन के दौरान पूरे आश्रम परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल भी प्रेम आश्रम धाम पहुंचे और गुरु गायत्री नाथ महाराज का आशीर्वाद

प्राप्त किया। साथ ही उन्होंने कथा व्यास स्वामी राम जी दास विशिष्ठ जी महाराज से भी आशीर्वाद लिया और उन्हें सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि संत महापुरुष समाज को आध्यात्मिक मार्गदर्शन देने के साथ-साथ सामाजिक समरसता और मानव सेवा की प्रेरणा भी देते हैं। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में भाईचारे, सद्भाव और संस्कारों को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि संतों का सानिध्य जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है और समाज को नैतिक मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर प्रेम आश्रम धाम न्यास समिति के अध्यक्ष जगदीश सुखीजा, राजकुमार भुसरी, शुभम सुखीजा, सोमनाथ छाबड़ा, राजेन्द्र बठला, चिमन लाल ठुकराल, मनीष छाबड़ा, पुरुषोत्तम छाबड़ा, ललित बिष्ट, अशोक यादव, रमेन विश्वास, सुभाष मक्कड़, विशाल छाबड़ा, सचिन छाबड़ा, तीरथ सीकरी, इंदर खुराना, दर्शन लाल छाबड़ा, विनोद ठुकराल, बंटी कुमार, गुलशन शर्मा, विक्की छाबड़ा, सुमन, शकुंतला रानी सुखीजा, वर्षा छाबड़ा, मीनू हुड़िया, शशि भुसरी, कांता मक्कड़, शोभा फुफ्टेला, रजनी, सीमा सेतिया, सोनिया, सुदेश छाबड़ा, राधा रानी छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री कैड़ा ने गांवो का दौरा कर सुनी ग्रामीणों की समस्या

भीमताल (उद संवाददाता)। विधायक व कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा ने भीमताल विधानसभा क्षेत्र के क्वेदल, जाड़ापानी, करायला, जमराडी, पैटना, रमेलागाँव, तुषराड, बुरासी सुन्दरखाल आदि गांव का पैदल दौरा कर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। इस दौरान ग्रामीणों ने उनके समक्ष बिजली, पानी, सड़क आदि समस्याओं को रखा। जिस पर श्री कैड़ा ने संबधित विभाग के अधिकारियो को फोन कर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। मंत्री ने लोक निर्माण विभाग व पीएमजीएसवाई विभाग के अधिकारियो क्षतिग्रस्त मोटर मार्गो को शीघ्र सही करने को कहा है। मंत्री कैड़ा ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियो को खराब मोटर मार्गो की शीघ्र डीपीआर तैयार कर शासन को भेजनें के निर्देश दिए। मंत्री कैड़ा ने दोनों विभाग के अधिकारियो को बरसात के समय मोटर मार्ग बंद होने पर मोटर मार्गो को खोलने हेतु शीघ्र टैण्डर प्रक्रिया पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा सरकार की योजनाओं को गाँव के अंतिम छोर पर खडे व्यक्ति तक पहुँचे इसे दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

बांग्ला भाषा शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समर कैंप का शुभारंभ

दिनेशपुर (उद संवाददाता)। दिनेशपुर स्थित बसंतीपुर में स्वर्गीय पुलिंग बाबू सेवा समिति के तत्वावधान में बांग्ला भाषा शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सात दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन समिति के संयोजक नित्यानंद मंडल के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में बंगाली समाज के गणमान्य लोगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।समर कैंप का उद्घाटन समिति के संयोजक नित्यानंद मंडल सहित बंगाली समाज के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि मातृभाषा किसी भी समाज की संस्कृति, परंपरा और पहचान की आधारशिला होती है। नई पीढ़ी को अपनी भाषा और संस्कृति से जोड़ने के लिए

इस प्रकार के आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।नित्यानंद मंडल ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों को अपनी मातृभाषा से जोड़ना आवश्यक है। समर कैंप के माध्यम से बच्चों को बांग्ला भाषा का ज्ञान देने के साथ-साथ साहित्य, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों से भी परिचित कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सात दिनों तक चलने वाले इस शिविर में विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने समिति के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाजहित में एक सकारात्मक पहल बताया। उन्होंने कहा कि भाषा और संस्कृति के संरक्षण के लिए ऐसे आयोजनों का निरंतर होना जरूरी है।इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार पलाश विश्वास,काली पद विश्वास, रवि सरकार, समीर राय, विजय सिंह, वीरेश कुमार, सुमेधा सरकार समेत बंगाली समाज के अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने समर कैंप की सफलता की कामना करते हुए बच्चों को मन लगाकर सीखने के लिए प्रेरित किया।

सड़क सुरक्षा और निःशुल्क विधिक सेवाओं को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गूलरभोज (संवाददाता)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार नगर पंचायत गूलरभोज के वार्ड संख्या 2 में सड़क सुरक्षा एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों को सड़क सुरक्षा नियमों, साइबर अपराध से बचाव तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली निःशुल्क विधिक सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल वाहन चालकों ही नहीं बल्कि पैदल चलने वालों के लिए भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी के कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें अनेक लोगों की जान चली जाती है। लोगों से अपील की गई कि वे यातायात नियमों का पालन करें, ट्रैफिक सिग्नलों का सम्मान करें तथा वाहन चलाते समय पूरी सावधानी बरतें। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से मिलने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता योजनाओं की भी जानकारी दी गई। लोगों को बताया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों तथा अन्य पात्र व्यक्तियों को प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके अलावा प्रतिभागियों को टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 तथा साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों के लिए साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में भी जागरूक किया गया। लोगों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर ठगी और डिजिटल अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल शिकायत करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में पुलिस विभाग से शांत लाल कोहली, परा विधिक कार्यकर्ता राजकुमारी, मीना, संगीता, सरदार कुंवर सिंह, गोपाल सिंह गौतम, अमित कुमार सहित स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

फोरलेन मुआवजे में फर्जीवाड़े का आरोप, चकबंदी अधिकारियों समेत कई लोगों पर दर्ज हुआ मुकदमा

काशीपुर (उद संवाददाता)। फोरलेन सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि के मुआवजे से जुड़े मामले में एक महिला की शिकायत पर चकबंदी विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित छह से अधिक लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि मुआवजे की पत्रावली में कूटरचित दस्तावेज और फर्जी हस्ताक्षर लगाकर लाभ लेने का प्रयास किया गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्राम मानपुर निवासी कुलवंत कौर ने सीजेएम न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि उनके पति कुलदीप सिंह का निधन हो चुका है तथा उनका एक नाबालिग पुत्र गुरबाज सिंह है। उन्होंने बताया कि ग्राम बगवाड़ा स्थित खसरा संख्या 299 (अ) रकबा 0.405 हेक्टेयर भूमि उनके पुत्र के नाम दर्ज है। यह भूमि एनएच 734 ठाकुरद्वारा काशीपुर फोरलेन परियोजना के निर्माण कार्य में अधिग्रहित की गई थी। महिला का आरोप है कि भूमि अधिग्रहण के बावजूद विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी की ओर से उन्हें किसी प्रकार का नोटिस जारी नहीं किया गया। उन्होंने भूमि की पैमाइश और अभिलेखों के सत्यापन के लिए चकबंदी विभाग के अधिकारियों को तीन बार प्रार्थना पत्र दिए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया कि चकबंदी अधिकारी काशीपुर, सहायक चकबंदी अधिकारी, क्षेत्रीय लेखपाल तथा चकबंदी कार्यालय के अन्य कर्मचारियों और अधिकारियों ने कथित रूप से उनके सहखातेदारों कुलविंदर सिंह, संदीप सिंह और हरवंश सिंह के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र रचा। आरोप है कि मूल्यांकन संबंधी आवेदन पत्र पर उनके फर्जी हस्ताक्षर तैयार कर दस्तावेजों को पत्रावली का हिस्सा बनाया गया। महिला ने न्यायालय को बताया कि संबंधित पत्रावली 11 फरवरी 2024 को चकबंदी कार्यालय काशीपुर से विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी रुद्रपुर को भेजी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीजेएम न्यायालय ने पुलिस को प्राथमिकी दर्ज कर जांच करने के निर्देश दिए। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पुलिस ने संबंधित आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है तथा अभिलेखों और हस्ताक्षरों का सत्यापन कराया जाएगा। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मामला भूमि अधिग्रहण मुआवजे और सरकारी अभिलेखों में कथित अनियमितताओं से जुड़ा होने के कारण क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस पूरे प्रकरण की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

मुनस्यारी में पर्यटन, संस्कृति, प्रकृति एवं स्थानीय आजीविकाओं का अनूठा संगम : राज्यपाल

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल श्री गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने अपने दो दिवसीय मुनस्यारी भ्रमण के दौरान प्रसिद्ध नंदा देवी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल ने क्षेत्र में संचालित पर्यटन गतिविधियों का अवलोकन किया तथा नंदा देवी मंदिर परिसर एवं उसके आसपास विकसित पर्यटन सुविधाओं और व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए जिला प्रशासन को बधाई दी। जिला प्रशासन द्वारा उन्हें विकासखंड मुनस्यारी में विकसित हो रही पर्यटन गतिविधियों, मिलम, खलिया टॉप, बिर्थी, पंचाचूली क्षेत्र तथा अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने नंदा देवी मंदिर समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों से भी मुलाकात कर मंदिर की व्यवस्थाओं तथा धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं पर चर्चा की।भ्रमण के दौरान राज्यपाल ने जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टालों का निरीक्षण किया तथा स्थानीय स्तर पर किए जा रहे नवाचारों और विकास कार्यों की सराहना की। मंदिर परिसर में लगाए गए स्थानीय उत्पादों के स्टॉलों का अवलोकन करते हुए उन्होंने महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों की गुणवत्ता, विपणन एवं ब्रांडिंग के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों का संरक्षण एवं प्रभावी विपणन ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ स्थानीय पहचान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।माननीय राज्यपाल ने मंदिर परिसर में उपस्थित स्थानीय महिला स्वयं सहायता समूहों तथा ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने महिलाओं द्वारा स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि महिला समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।इसके उपरांत माननीय राज्यपाल ने वर्ष 2023 में 'बेस्ट टूरिज्म विलेज' पुरस्कार से सम्मानित सरमोली ग्राम पंचायत का भ्रमण किया। उन्होंने सरमोली के सामुदायिक पर्यटन एवं होमस्टे मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि यह गांव स्थानीय सहभागिता, महिला

सशक्तिकरण और सतत पर्यटन विकास का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यहां स्थानीय समुदाय, विशेषकर महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से पर्यटन को आजीविका और पर्यावरण संरक्षण से प्रभावी रूप से जोड़ा गया है।राज्यपाल ने सरमोली ग्राम पंचायत के होमस्टे मॉडल एवं सामुदायिक सहभागिता की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि सरमोली ने सामुदायिक सहभागिता, महिला सशक्तिकरण एवं सतत पर्यटन विकास पर आधारित एक ऐसा मॉडल विकसित किया है, जिसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान प्राप्त हो रही है।माननीय राज्यपाल ने ग्रामवासियों, महिला स्वयं सहायता समूहों तथा होमस्टे संचालकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके सामूहिक प्रयासों ने सरमोली को पर्यटन के क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान दिलाई है। उन्होंने स्थानीय महिलाओं से अपने पारंपरिक उत्पादों, लोक संस्कृति, स्थानीय खान-पान तथा प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण हेतु आभार व्यक्त किया। और इसी तरह लोक संस्कृति का प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर कार्य करते रहने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि सरमोली का यह मॉडल स्थानीय लोगों को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ पर्यटकों को उत्तराखंड की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और ग्रामीण जीवनशैली से परिचित कराने का भी प्रभावी माध्यम बन रहा है। यहां संचालित होमस्टे पर्यटकों को स्थानीय पारंपरिक व्यंजनों, संस्कृति और ग्रामीण जीवनशैली का अनुभव प्रदान करते हैं, जो देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करता है। राज्यपाल ने क्षेत्र के होमस्टे संचालकों से भी मुलाकात की तथा उनके अनुभवों, सुझावों एवं समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि मुनस्यारी आज उत्तराखंड के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। वर्तमान में नगर क्षेत्र में लगभग 120 होमस्टे संचालित हो रहे हैं, जबकि 32 होटल, एक दर्जन से अधिक लॉज, तीन गेस्ट हाउस तथा 50 से अधिक टेंट पर्यटकों को आवासीय सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि मुनस्यारी में पर्यटन, संस्कृति, प्रकृति एवं स्थानीय आजीविकाओं का अनूठा संगम देखने को मिलता है। यहां के होमस्टे, स्थानीय उत्पाद और महिला स्वयं सहायता समूह न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहे हैं, बल्कि उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी नई पहचान दिला रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहलें स्थानीय युवाओं एवं महिलाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित कर रहा है तथा मुनस्यारी को देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में और अधिक प्रतिष्ठा दिला रहा है।

पेज एक का शेष...

जनजातीय गौरव के संरक्षण...रोजगार और पर्यटन से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि जौनसार बावर क्षेत्र के दूरस्थ गांवों तक विकास की रोशनी पहुंचाना सरकार का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरिपुर कालसी में यमुना नदी के तट पर भव्य यमुना घाट विकसित किया जा रहा है। इसके निर्माण से न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि पर्यटन को भी नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार क्षेत्र को पर्यटन मानचित्र पर मजबूत पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जौनसार बावर क्षेत्र में सड़क संपर्क को मजबूत करने के लिए अनेक योजनाओं पर कार्य चल रहा है। दूरस्थ गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ने, शिक्षा संस्थानों की सुविधाओं को बेहतर बनाने और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए लगातार बजट उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही युवाओं को खेल और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए भी विशेष योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल और संस्कृति किसी भी समाज की पहचान को मजबूत बनाने का माध्यम होते हैं। ऐसे आयोजन स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने युवाओं से अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने और खेलों में आगे बढ़कर प्रदेश तथा देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय कलाकारों ने जौनसारी लोक संस्कृति से जुड़ी रंगारंग प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीतों और लोकनृत्यों ने महोत्सव को विशेष आकर्षण प्रदान किया। वहीं क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में भी युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विकसित उत्तराखंड के संकल्प को साकार करने के लिए गांव, गरीब, किसान, महिला, युवा और जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि जौनसार बावर क्षेत्र आने वाले वर्षों में पर्यटन, संस्कृति, खेल और विकास के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित करेगा। कार्यक्रम में विधायक मुन्ना सिंह चौहान, खुशी राम, नरेश चौहान, नरेन्द्र सिंह तोमर आदि सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

मिलेनियल्स और जेन जी की ... ने पिछले कुछ वर्षों में उत्तराखंड में युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने की रणनीति पर लगातार काम किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। अब स्थानीय स्तर पर विकास शर्मा जैसे युवा जनप्रतिनिधि उसी रणनीति को आगे बढ़ाते दिखाई दे रहे हैं। रुद्रपुर में आयोजित संवाद कार्यक्रम ने यह संकेत दिया है कि भाजपा केवल युवाओं की बात नहीं कर रही, बल्कि उन्हें निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनाने की कोशिश भी कर रही है। विकास शर्मा की पहचान केवल रुद्रपुर तक सीमित नहीं है। ऊधमसिंहनगर जिले सहित आसपास के क्षेत्रों में भी युवाओं के बीच उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। कम उम्र में महापौर बनने के कारण वे पहले से ही नई पीढ़ी के लिए एक प्रेरक चेहरा हैं। ऐसे में जब वही युवा महापौर युवाओं के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनते हैं, उनके सुझावों पर चर्चा करते हैं और भविष्य की योजनाओं में भागीदारी का भरोसा दिलाते हैं, तो उसका प्रभाव स्वाभाविक रूप से राजनीतिक स्तर पर भी दिखाई देता है। युवा संवाद में शिक्षा, रोजगार, यातायात, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य जैसे विषयों पर चर्चा हुई। इन मुद्दों का सीधा संबंध युवा मतदाताओं से है। ऐसे में यह कार्यक्रम केवल एक संवाद तक सीमित नहीं रहा बल्कि युवाओं और नेतृत्व के बीच विश्वास निर्माण का माध्यम बन गया। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो आगामी विधानसभा चुनावों में मिलेनियल्स और जेन-जी मतदाता निर्णायक भूमिका निभाने वाले हैं। ऐसे समय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के युवा नेतृत्व और स्थानीय स्तर पर विकास शर्मा जैसे चेहरों की सक्रियता भाजपा के लिए लाभकारी साबित हो सकती है। एक तरफ प्रदेश स्तर पर धामी युवाओं के भरोसे का चेहरा बने हुए हैं, वहीं दूसरी ओर रुद्रपुर से विकास शर्मा नई पीढ़ी के बीच संवाद और सहभागिता की राजनीति को मजबूत कर रहे हैं। कुल मिलाकर 'युवा संवाद 2026' ने यह संकेत जरूर दिया है कि भाजपा की युवा नेतृत्व वाली रणनीति अब केवल प्रदेश स्तर तक सीमित नहीं है। रुद्रपुर से शुरू हुआ यह प्रयोग आने वाले समय में संगठन और चुनावी राजनीति दोनों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। यदि युवाओं के साथ यह संवाद लगातार जारी रहता है तो मिलेनियम और जेन-जी पीढ़ी के बीच भाजपा की स्वीकार्यता को और मजबूती मिल सकती है।

मिलेनियस और...वाली यह पीढ़ी आज देश के प्रशासन, व्यापार और सामाजिक नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वहीं जेन-जी में 1997 से 2012 के बीच जन्मे युवा शामिल हैं। यह पीढ़ी स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया के माहौल में बड़ी हुई है, इसलिए इन्हें डिजिटल नेटिव्स भी कहा जाता है। वर्तमान में इनकी आयु लगभग 14 से 29 वर्ष के बीच है। जेन-जी नई सोच, नवाचार, स्टार्टअप,फ्रीलांसिंग और तकनीक आधारित जीवनशैली को प्राथमिकता देती है। यह पीढ़ी पारंपरिक तरीकों के बजाय तेज, प्रभावी और व्यावहारिक समाधानों पर विश्वास करती है। आने वाले वर्षों में यही दोनों पीढ़ियां देश की राजनीति, विकास और सामाजिक बदलाव की सबसे बड़ी ताकत बनने जा रही हैं। मिलेनियल्स जहां अनुभव और नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं, वहीं जेन-जी नई ऊर्जा, तकनीकी समझ और भविष्य की सोच को आगे बढ़ा रही है। सरल शब्दों में कहें तो मिलेनियल्स ने डिजिटल दुनिया को बनते देखा है, जबकि जेन-जी उसी डिजिटल दुनिया में जन्मी और बड़ी हुई है।

बेकाबू डंपर बैंक में घुसा...दौरान चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और डंपर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभों को तोड़ता हुआ आगे बढ़ गया। डंपर की टक्कर से खंभों पर रखा ट्रांसफार्मर भी क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद वाहन सीधे बैंक ऑफ इंडिया की शाखा की इमारत से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बैंक परिसर में स्थित एटीएम भी क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं डंपर का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और चालक केबिन में ही फंस गया। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। चालक वाहन के क्षतिग्रस्त हिस्से में बुरी तरह फंस गया था, जिसे निकालने के लिए पुलिस और स्थानीय लोगों को करीब एक घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। काफी प्रयासों के बाद घायल चालक को बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटना के कारण ट्रांसफार्मर और विद्युत लाइनें क्षतिग्रस्त हो जाने से आसपास के क्षेत्र की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। रातभर लोगों को अंधेरे में रहना पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त उपकरणों की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त डंपर को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर हादसे का कारण तेज रफ्तार और वाहन का अनियंत्रित होना माना जा रहा है। वहीं बैंक भवन और एटीएम को हुए नुकसान का भी आकलन किया जा रहा है।

पुलिस और बदमाशो में ....जिसमें दो व्यक्तियों को गोली मारकर घायल कर दिया गया था। इसी मामले में पुलिस उनकी तलाश कर रही थी। मुठभेड़ में घायल दोनों आरोपियों को पुलिस सुरक्षा के बीच उपचार के लिए राजकीय चिकित्सालय भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायल आरोपियों की स्थिति की जानकारी भी ली। ऋषिकेश कोतवाल कैलाश चंद्र भट्ट ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून को चुनौती देने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह मुठभेड़ हाल के दिनों में ऋषिकेश पुलिस की महत्वपूर्ण सफलता है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार ऑपरेशन प्रहार के तहत वांछित अपराधियों, सक्रिय बदमाशों और कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में सफलता मिल रही है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। उनसे पूछताछ के आधार पर अन्य आपराधिक मामलों में भी महत्वपूर्ण जानकारियां मिलने की संभावना है।

लाखों की स्मैक....साइकिल अनियंत्रित होकर फिसल गई। इससे पहले कि वह मौके से फरार हो पाता, पुलिस कर्मियों ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मलकीत सिंह पुत्र स्वर्गीय कश्मीर सिंह निवासी लंकापुरी गिधौर, कोतवाली नानकमत्ता बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक पारदर्शी पन्नी में रखा संदिग्ध पदार्थ बरामद हुआ। जांच करने पर यह स्मैक पाई गई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की मोटरसाइकिल की भी तलाशी ली, जिसमें से एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू, कई पन्नियां तथा पुड़िया बनाने में इस्तेमाल होने वाला अन्य सामान बरामद हुआ। मौके पर इलेक्ट्रॉनिक तराजू से वजन करने पर बरामद स्मैक का कुल वजन 46.42 ग्राम पाया गया, जबकि शुद्ध वजन 45.70 ग्राम निकला। पुलिस ने बरामद स्मैक, इलेक्ट्रॉनिक तराजू तथा बाइक को कब्जे में लेकर सील कर दिया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह स्मैक खरीदकर लाता था और नदी किनारे तथा आसपास के क्षेत्रों में छोटी-छोटी पुड़ियां बनाकर बेचता था। आरोपी ने यह भी बताया कि वह स्मैक बिसोटा क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति से खरीदकर लाता था। पुलिस आरोपी द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर नशा तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

श्रद्धालुओं से भरी...को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी जुटाई। रामनगर के राजकीय चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एस. एस. बिष्ट ने बताया कि दुर्घटना में पांच महिला श्रद्धालु घायल हुई हैं। सभी का अस्पताल में उपचार किया जा रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर है। चिकित्सकों की टीम लगातार घायलों की निगरानी कर रही है। गौरतलब है कि इन दिनों गर्जिया देवी मंदिर में दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ऐसे में कई वाहन क्षमता से अधिक यात्रियों को लेकर मंदिर मार्ग पर संचालित हो रहे हैं। इससे पूर्व भी इस मार्ग पर ओवरलोड वाहनों के कारण कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। बावजूद इसके वाहन संचालकों द्वारा नियमों की अनदेखी किए जाने के मामले लगातार सामने आते रहे हैं। दुर्घटना के बाद एक बार फिर क्षमता से अधिक सवारी ढोने वाले वाहनों की निगरानी और परिवहन नियमों के पालन को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि ऐसे वाहनों के खिलाफ नियमित रूप से सख्त कार्रवाई की जाए तो सड़क दुर्घटनाओं में काफी हद तक कमी लाई जा सकती है।

हाईवे पर मारपीट और हुड़दंग करने वाले आठ लोगों को पकड़ा

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। किच्छा पुलभट्टा हाईवे पर बीच सड़क मारपीट और हुड़दंग करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के आठ लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर कानून व्यवस्था भंग करने और अराजकता फैलाने के मामले में वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 4 जून को किच्छा पुलभट्टा हाईवे स्थित सिरौलीकला के पास दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के लोग सड़क पर ही आपस में भिड़ गए। इस दौरान मारपीट और हंगामे का वीडियो किसी राहगीर ने बनाकर सोशल मीडिया

पर वायरल कर दिया। मामले का संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति के निर्देश पर थाना पुलभट्टा पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। वायरल वीडियो और स्थानीय स्तर पर जुटाई गई जानकारी के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों से जुड़े आठ लोगों की पहचान कर उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर मारपीट, हुड़दंग और कानून व्यवस्था भंग करने जैसी घटनाओं को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति ने स्पष्ट संदेश दिया है कि सड़क, बाजार या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर अराजकता फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

व्यापारियों ने राज्य... परिणाम सामने नहीं आया।व्यापारियो का कहना है कि शिकायतों के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है और व्यापारियों को लगातार परेशान किया जा रहा है। ज्ञापन के माध्यम से व्यापार मंडल ने राज्य कर इकाई सचल दल, खटीमा की कार्यप्रणाली की उच्चस्तरीय जांच कराने, दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने, वैध दस्तावेज रखने वाले व्यापारियों के उत्पीड़न पर रोक लगाने तथा संबंधित सीटीओ के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर उन्हें तत्काल हटाने की मांग की है। संजय जुनेजा ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही व्यापारियों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया और दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं हुई, तो रुद्रपुर व्यापार मंडल राज्य कर विभाग के खिलाफ धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन एवं विभाग की होगी। घेराव करने वालों में प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक छाबड़ा, जिला महामंत्री निर्मल हंसपाल, प्रदेश संगठन मंत्री राजेश बंसल, गदरपुर व्यापार मंडल महामंत्री संदीप चावला, शिवन सेठी, चीनू दुआ, चेतन खनिजों, मनजीत गगनेजा, पवन गाबा, पारस अरोरा, गौरव गांधी, राजकुमार सिकरी, दानिश अहमद सहित अनेकों व्यापारी शामिल थे।

संदिग्ध हालातों में ...परिजनों की नजर युवक पर पड़ी तो वह फंदे से झूल रहा था। यह दृश्य देखते ही परिवार में कोहराम मच गया और आसपास के लोग भी मौके पर एकत्र हो गए। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने परिजनों एवं आसपास के लोगों से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई तथा आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक द्वारा यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया गया, इसका फिलहाल स्पष्ट कारण सामने नहीं आ पाया है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। साथ ही परिजनों से प्राप्त जानकारी और अन्य तथ्यों के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा

स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित

सम्पादक- परमपाल सुखीजा

आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।

E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in

फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

संवाद की गीता, सेवा का धर्म और कानून का सुदर्शन चक्र

आईजी रिद्धिम अग्रवाल : एक ऐसा कार्यकाल, जो पद से नहीं, जनविश्वास और सामाजिक सरोकारों से याद रखा जाएगा

हल्द्वानी। प्रशासनिक व्यवस्थाओं में स्थानांतरण एक सामान्य प्रक्रिया है। अधिकारी आते हैं, कार्य करते हैं और आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जिनकी पहचान उनके पद से बड़ी हो जाती है। उनका कार्यकाल सरकारी रिकॉर्ड का हिस्सा भर नहीं रहता,बल्कि जनता की स्मृतियों में दर्ज हो जाता है। आईजी रिद्धिम अग्रवाल का कार्यकाल भी उत्तराखंड पुलिस के लिए ऐसा ही एक अध्याय रहा, जिसमें कानून की दृढ़ता और संवेदनशीलता का अद्भुत संतुलन देखने को मिला। जब वे आईजी के रूप में जिम्मेदारी संभाल रही थीं, तब उनकी प्राथमिकता केवल अपराध नियंत्रण नहीं थी। उनका उद्देश्य समाज और पुलिस के बीच एक ऐसा विश्वास स्थापित करना था, जो आने वाले वर्षों तक कायम रहे। यही कारण है कि उनका कार्यकाल आज उपलब्धियों, जनविश्वास और सामाजिक सरोकारों के कारण विशेष रूप से याद किया जा रहा है। स्थानांतरण केवल दायित्वों का परिवर्तन है। लेकिन अच्छे कार्य कभी स्थानांतरित नहीं होते। वे लोगों के मन में जीवित रहते हैं। आज जब आईजी रिद्धिम अग्रवाल एक नई जिम्मेदारी की ओर अग्रसर हैं, तब उत्तराखंड की जनता, युवा वर्ग, सामाजिक संगठन और पुलिस परिवार उनके कार्यकाल को सम्मान और गर्व के साथ याद कर रहे हैं। क्योंकि कुछ यात्राएं पद समाप्त होने पर समाप्त नहीं होतीं। वे एक विरासत बन जाती हैं।और आईजी रिद्धिम अग्रवाल का कार्यकाल भी उत्तराखंड पुलिस के इतिहास में जनविश्वास, संवाद, सेवा और सुशासन की ऐसी ही एक प्रेरणादायक विरासत के रूप में लंबे समय तक याद किया जाएगा। पद बदलेगा, कार्यालय बदलेगा, जिम्मेदारियां बदलेंगी लेकिन जनता के मन में बनी पहचान नहीं बदलेगी। **जब पुलिस जनता के द्वार पहुंची : मिशन संवाद की ऐतिहासिक पहल** – महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण ने युद्ध से पहले संवाद को प्राथमिकता दी थी। क्योंकि संवाद ही वह माध्यम है जो संघर्ष को समाधान में बदल सकता है। इसी सोच को आधुनिक पुलिसिंग में उतारने का कार्य मिशन संवाद के माध्यम से हुआ। यह केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं था। यह पुलिस और समाज के बीच एक नई साझेदारी की शुरुआत थी। स्कूलों, कॉलेजों,

विश्वविद्यालयों, व्यापारिक संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर सीधे लोगों से संवाद स्थापित किया गया। हजारों युवाओं को कानून, संविधान, साइबर अपराध, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। मिशन संवाद ने पुलिस की छवि को बदलने का काम किया। लोगों ने पहली बार पुलिस को केवल कानून लागू करने वाली संस्था नहीं, बल्कि समाज का मार्गदर्शक और संरक्षक के रूप में देखा। आज भी मिशन संवाद का नाम आते ही एक ऐसे अभियान की छवि उभरती है जिसने पुलिस और जनता के बीच विश्वास का मजबूत पुल तैयार किया। **नशे के रावण के विरुद्ध निर्णायक युद्ध :** यदि वर्तमान समय की सबसे बड़ी सामाजिक चुनौतियों में किसी एक का नाम लिया जाए तो वह नशा है। युवाओं का भविष्य बचाने के लिए केवल गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं थी। आवश्यकता थी जागरूकता, संवेदनशीलता और सामाजिक भागीदारी की। आईजी रिद्धिम अग्रवाल के नेतृत्व में नशे के विरुद्ध ऐसा व्यापक अभियान चलाया गया जिसने हजारों युवाओं तक सकारात्मक संदेश पहुंचाया। एक ओर नशा तस्करों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हुई, वहीं दूसरी ओर विद्यालयों और महाविद्यालयों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। युवाओं को यह समझाया गया कि नशा केवल स्वास्थ्य नहीं, बल्कि परिवार, समाज और भविष्य को भी नष्ट कर देता है। इस अभियान का उद्देश्य अपराधियों को पकड़ना भर नहीं था, बल्कि युवाओं को बचाना था। **भू-माफियाओं पर कानून का सुदर्शन चक्र :** समाज में न्याय तभी दिखाई देता है जब कानून प्रभावशाली लोगों तक भी समान रूप से पहुंचे। भू-माफियाओं, अवैध कब्जाधारियों और संगठित आपराधिक तत्वों के विरुद्ध चलाए गए अभियानों ने स्पष्ट संदेश दिया कि कानून की सीमाएं किसी व्यक्ति की हैसियत से तय नहीं होतीं। जनता की शिकायतों को गंभीरता से लिया गया। वर्षों से लंबित मामलों में कार्रवाई हुई। लोगों को यह विश्वास मिला कि उनकी आवाज सुनी जा रही है। यह केवल प्रशासनिक कार्रवाई नहीं थी, बल्कि कानून के शासन की स्थापना की दिशा में महत्वपूर्ण कदम था। **महिला सुरक्षा : संकल्प से सिद्धि तक :** किसी भी समाज की प्रगति का सबसे बड़ा पैमाना वहां की महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान होता है। अपने कार्यकाल में आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने महिला सुरक्षा को केवल विभागीय प्राथमिकता नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखा। महिला हेल्प डेस्क, जागरूकता अभियान, छात्राओं से संवाद और त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया व्यवस्था को मजबूत करने के प्रयास लगातार किए गए। इससे महिलाओं में सुरक्षा की भावना और पुलिस के प्रति विश्वास दोनों बढ़े। **साइबर अपराध के अंधकार में जागरूकता का दीपक :** समय बदल रहा था और अपराध के तरीके भी बदल रहे थे। ऑनलाइन ठगी, साइबर फ्रॉड, फर्जी निवेश योजनाएं और डिजिटल अपराध आम नागरिकों के लिए नई चुनौती बन रहे थे। ऐसे समय में साइबर जागरूकता अभियानों को प्राथमिकता देकर लोगों को जागरूक किया गया। हजारों नागरिकों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति सचेत किया गया ताकि वे ठगी और साइबर अपराधों से स्वयं को सुरक्षित रख सकें।

नयागांव में 15 दिन से जहरीला पानी पीते रहे ग्रामीण

प्रदूषित जल से हो चुकी किशोर की मौत, दर्जनों ग्रामीण बीमार

सितारगंज। भीषण गर्मी में गले को तर करने के लिए नयागांव के ग्रामीणों ने जिस सार्वजनिक फ्रीजर के पानी का सेवन किया। जांच में उसका पानी जहरीला निकला है। पिछले 15 दिनों से गांव में बुजर्ग, बच्चे और महिलाएं प्रदूषण जल पीकर बीमार हो रहे हैं। गांव में जहरीले पानी की वजह से एक की मौत भी हो चुकी है। प्रशासन बीमार लोगों का उपचार एवं आंकड़े जुटाने में लगा हुआ हैं। नयागांव और आसपास के क्षेत्रों में वायरल हेपेटाइटिस के मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। पीलिया से पीड़ित एक किशोर की दिल्ली में उपचार के दौरान मौत भी हो चुकी है। गांव में 60 से अधिक बच्चे बुखार, पेट दर्द, डायरिया और लिवर संक्रमण जैसी समस्याओं से प्रभावित बताए जा रहे हैं। पांच बच्चों के लिवर में सूजन की पुष्टि होने पर स्वास्थ्य विभाग

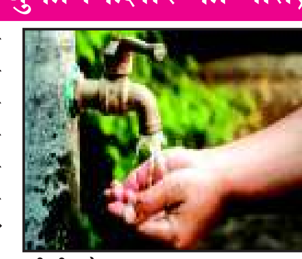

की टीम ने उनका उपचार कर आवश्यक दवाइयां वितरित की थीं। अब जांच में सार्वजनिक फ्रीजर का पानी प्रदूषित निकला है। पिछले 15 दिनों से गांव में पीलिया संक्रमण को लेकर कोहराम मचा हुआ है। **नगरीय क्षेत्र में 15 वाटर कूलर :** गरीय क्षेत्र में नगर पालिका प्रशासन की तरफ से 15 सार्वजनिक वाटर कूलर लगाए गए हैं। इनमें कुछ खराब है, कुछ शीतल जल आपूर्ति कर रहे हैं। नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी प्रतिभा कोहली ने बताया कि शीतल पेयजल मशीनों की नियमित देखभाल की जा रही हैं।

"पीलिया से ग्रसित ग्रामीणों के उपचार के लिए नियमित उपचार देखभाल की जा रही हैं। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा पीलिया संकट से निपटने के लिए लगातार अधिकारियों को निर्देशित कर अपडेट ले रहे हैं। गांव में पीलिया फैलने की गहनता पूर्वक जांच होनी चाहिए।

मैशर जहां, प्रधान नयागांव

"नयागांव में लगे फ्रीजर का पानी प्रदूषित निकला है। स्वास्थ्य विभाग ने फ्रीजर की जांच कराई है। फ्रीजर की मशीन जाम है, टैंक में गंदगी निकली हैं।

डा. कुलदीप सिंह यादव, अधीक्षक, सितारगंज

"जल संस्थान के पानी की रिपोर्ट जांच में सकारात्मक आई हैं। फ्रीजर का पानी प्रदूषित निकला हैं।

उज्जवल चौधरी, जेई जल संस्थान

नारायण पाठक संस्कृति, साहित्य एवं कला परिषद के सदस्य मनोनीत

किच्छा (उद संवाददाता)। उत्तराखंड सरकार द्वारा भाजपा के वरिष्ठ नेता नारायण पाठक को संस्कृति, साहित्य एवं कला परिषद का सदस्य मनोनीत किए जाने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनके मनोनयन की सूचना मिलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं, समाजसेवियों और क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। संस्कृति, साहित्य एवं कला परिषद जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में सदस्य के रूप में मनोनयन के बाद नारायण पाठक ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने उन पर जो विश्वास व्यक्त किया है, उस पर वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि यह दायित्व केवल एक पद नहीं बल्कि उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, साहित्य और लोककलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कार्य करने का अवसर है। नारायण पाठक ने किच्छा के पूर्व विधायक राजेश शुक्ला का विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सतत मार्गदर्शन, सहयोग और विश्वास के कारण ही उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। उन्होंने कहा कि राजेश शुक्ला ने हमेशा कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने और संगठन को मजबूत करने का कार्य किया है, जिसका लाभ उन्हें भी मिला है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड अपनी समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं, लोककलाओं और

साहित्यिक विरासत के लिए देशभर में विशेष पहचान रखता है। परिषद के माध्यम से इन धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार प्रसार के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। साथ ही प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। मनोनयन की सूचना के बाद उन्हें बधाई देने वालों का सिलसिला दिनभर जारी रहा। भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने उनके आवास और दूरभाष के माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित कीं। शुभकामनाएं देने वालों में ब्लॉक प्रमुख रीना गौतम, किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री धीरेंद्र मिश्रा, किच्छा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष मयंक तिवारी, नगर पालिका नगला अध्यक्ष सचिन शुक्ला, ग्रामीण मंडल महामंत्री जितेंद्र गौतम, जिला प्रकोष्ठ संयोजक राजेश तिवारी, पूर्व जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा सैयद इफ्तिखार हुसैन, नगर मंडल अध्यक्ष गोल्डी गोराया, सभासद संदीप अरोड़ा, नाजिम मलिक, अखिलेश यादव, बृजेश यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, समाजसेवी और क्षेत्रवासी शामिल रहे।